राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 05 अगस्त 2022 वर्ष-5,अंक-190 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

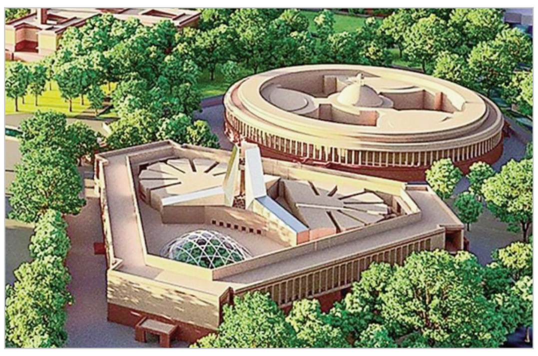

नए संसद भवन के निर्माण का 70 प्रतिशत कार्य पूरा, सरकार ने लोकसभा में बताया

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने गुरुवार को बताया कि सेंट्रल विस्टा विकास/ पुनर्विकास योजना के तहत 5 परियोजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा हैं, इसमें नए संसद भवन के निर्माण का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। लोकसभा में राजेन्द्र अग्रवाल के प्रश्न के उत्तर में शहरी कार्य एवं आवास राज्य मंत्री कौशल किशोर ने इसकी जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि आज की तारीख तक सेंट्रल विस्टा विकास/ पुनर्विकास योजना के तहत 5 परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। राज्य मंत्री द्वारा निचले सदन में रखे गए ब्यौरे के अनुसार, नए संसद भवन के निर्माण का 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है और इसे पूरा करने की तय तिथि नवंबर 2022 है। मंत्री ने कहा कि सेंट्रल विस्टा एवेन्यू का पुनर्विकास कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसमें कहा गया है कि साझा केंद्रीय सचिवालय भवन 1,2,3 का 17 प्रतिशत कार्य हुआ है और इस दिसंबर 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। जवाब के अनुसार उपराष्ट्रपति एनक्लेव का 24 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है और इस जनवरी 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि एक्जिक्यूटिव एनक्लेव का कार्य अभी शुरू नहीं किया गया है।

पेरिस समझौते के तहत भारत की अद्यतन एनडीसी के बारे में यूएनएफसीसीसी को सूचित किया: केंद्र

नई दिल्ली । केंद्र ने गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि उसने पेरिस समझौते के तहत भारत के राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को मंजूरी दी है। इस बारे में संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मलेन (यूएनएफसीसीसी) को सूचित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मलेन को सूचना दिए जाने के लिए एनडीसी को बुधवार को मंजूरी दी थी। अद्यतन एनडीसी के अनुसार, भारत अब 2030 तक 2005 के स्तर से अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन-आधारित ऊर्जा संसाधनों से लगभग 50 प्रतिशत संचयी विद्युत शक्ति की स्थापित क्षमता प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ को जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान घटनाक्रम को लेकर जानकारी दी गई। याचिका में यूएनएफसीसीसी के दौरान भारत द्वारा किए गए वादों को पूरा करने के लिए एक विशेष समिति गठित करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है।

जस्टिस यू यू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश होंगे, सीजेआई ने केंद्र को भेजी नाम की सिफारिश

नई दिल्ली । जस्टिस यू यू ललित देश के अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं। मौजूदा सीजेआई जस्टिस रमना ने केंद्र की मोदी सरकार को जस्टिस ललित के नाम की सिफारिश भेजी है। परपंरा के मुताबिक रिटायर होने वाले सीजेआई नए सीजेआई के नाम की सिफारिश करते हैं। 26 अगस्त को सीजेआई रमना रिटायर होने वाले हैं। बता दें कि जस्टिस यूयू ललित मुसलमानों में 'तीन तलाक' की प्रथा को अवैध ठहराने सहित कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे हैं। वह इसतरह के दूसरे प्रधान न्यायाधीश बनने वाले हैं, जिन्हें बार से सीधे शीर्ष अदालत की पीठ में पदोन्नत किया गया। ललित से पहले जस्टिस एस.एम. सीकरी मार्च 1964 में शीर्ष अदालत की पीठ में सीधे पदोन्नत होने वाले पहले वकील थे। वह जनवरी 1971 में 13वें सीजेआई बने थे। जस्टिस ललित मौजूदा प्रधान न्यायाधीश रमण के सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद 27 अगस्त को भारत के 49वें सीजेआई बनने के लिए कतार में हैं। जस्टिस ललित को 13 अगस्त 2014 को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था। तब वह जाने-माने वकील थे. जस्टिस ललित तब से शीर्ष अदालत के कई ऐतिहासिक निर्णयों का हिस्सा रहे हैं। पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अगस्त 2017 में 3-2 के बहुमत से 'तीन तलाक' को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। उन तीन न्यायाधीशों में जस्टिस ललित भी थे। जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत एक मामले में बंबई उच्च न्यायालय के ''त्वचा से त्वचा के संपर्क'' संबंधी विवादित फैसले को खारिज कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यौन हमले का सबसे महत्वपूर्ण घटक यौन मंशा है, बच्चों की त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं। एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में जस्टिस ललित की अगुवाई वाली पीठ ने कहा था कि त्रावणकोर के पूर्व शाही परिवार के पास केरल में ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के प्रबंधन का अधिकार है। नौ नवंबर, 1957 को जन्मे जस्टिस ललित ने जून 1983 में एक वकील के रूप में पंजीकरण कराया था और दिसंबर 1985 तक बम्बई उच्च न्यायालय में वकालत की थी। वह जनवरी 1986 में दिल्ली आकर वकालत करने लगे और अप्रैल 2004 में उन्हें शीर्ष अदालत द्वारा एक वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किया गया। 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन मामले में सुनवाई के लिए उन्हें केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) का विशेष लोक अभियोजक नियुक्त किया गया था। जस्टिस ललित आठ नवंबर, 2022 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

लोकसभा में फिर टूटी मर्यादा

सदस्यों ने दिखाई तख्तियां, वेल में नारेबाजी, नहीं चली सदन की कार्यवाही

नई दिल्ली। (एजेंसी)

संसद का बड़ा काम यूं को नियम कानून बनाना है लेकिन राजनीति इतनी हावी होती है कि खुद के बनाए नियम परंपराओं को भी बार बार तोड़ा जाता है। दो दिन पहले ही सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच का गतिरोध तब टूटा था जब सदन में प्लेकार्ड दिखाने पर निलंबित हुए विपक्ष के चार सदस्यों को वापस सदन में आने की अनुमति दी गई थी। उसी वक्त लोकसभा अध्यक्ष की ओर से यह भी चेताया गया था कि अगर कोई भी तख्तियां दिखाता है या फिर वेल में आता है तो कार्रवाई हो सकती है। इस चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए फिर से विपक्ष के कई सदस्यों ने तख्तियां भी दिखाया और वेल में भी उतर आए। लिहाजा सदन की कार्यवाही कई बार बाधित हुई। गुरुवार को लोकसभा में शोर शराबे के बीच कुछ देर तो प्रश्नकाल चला लेकिन आखिरकार इसे स्थगित करना पड़ा। दरअसल कांग्रेस समेत कई विपक्षी सदस्यों की ओर से ईडी के दुरुपयोग, जीएसटी आदि को लेकर तख्तियां दिखाई गईं। ऐसा करने वालों में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी भी शामिल थे। कांग्रेस, डीएमके के कई सदस्य वेल मे भी दिखे। क्षुब्ध लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें चेतावनी दी कि सदस्य वेल से नहीं गए तो कार्रवाई होगी लेकिन कोई उन्हें सुनने को तैयार नहीं था। वहीं कांग्रेस ने प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाइयों का हवाला देते हुए राज्य सभा में तीखे स्वर में सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुझे ईडी का समन मिला और उन्होंने मुझे बुलाया है। मैं कानून का पालन करना चाहता हूं, लेकिन जब संसद का सत्र चल रहा हो तो क्या उनका समन करना सही है? क्या पुलिस के लिए सोनिया गांधी और राहुल गांधी के आवासों का घेराव करना सही है? कांग्रेस कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि नेता हम कानून के शासन में विश्वास करते हैं। हम सभी कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं लेकिन जब विपक्ष के सांसद संसद सत्र के दौरान बहस में भाग ले रहे हैं तो प्रवर्तन निदेशालय उन्हें समन कर रहा है। गौरतलब है कि एक दिन पहले भी जब ईडी नेशनल हेराल्ड मामले में कई स्थानों पर जांच कर रहा था तो कांग्रेस के सदस्यों ने सदन में विरोध जताया था। उस वक्त सोनिया गांधी भी वेल में पहुंच गई थीं।

इंटेलिजेंस ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस और बीएसएफ को भेजा आतंकी अर्लट, 15 अगस्त को लेकर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

15 अगस्त को लेकर इंटेलिजेंस ब्यूरो ने दिल्ली पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को आतंकी हमले का अलर्ट भेजा है। आईबी ने दिल्ली पुलिस और अन्य को 10 पन्नों की रिपोर्ट भेजी है, जिसमें कहा गया है कि लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद सहित कुछ आतंकी संगठन देश में किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं। बात दें कि देश इस साल आजादी का 75वां अमृत महोत्सव मना रहा है। इस लेकर आईबी ने दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियों को 15 अगस्त के मौके पर सुरक्षा चाक चौबंद करने को कहा है। 10 पन्नों के अपने अलर्ट में आईबी ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देकर कोई बड़ी वारदात करने की फिराक में है। इसके लिए दिल्ली पुलिस को लाल किले के सभी प्रवेश द्वारा पर सुरक्षा कड़ी करने की हिदायत दी गई है। सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ को भी बॉर्डर इलाके में चौकन्ना रहने को कहा गया है।

सूत्रों के मुताबिक, आईबी ने अपनी रिपोर्ट में जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे पर हमले का भी जिक्र कर सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। रिपोर्ट में उदयपुर और अमरावती की घटनाओं का जिक्र कर कहा गया है कि भीड़भाड़ वाली जगहों पर रेडिकल समूहों पर कड़ी नजर रखी जाए। रिपोर्ट में जानकारी दी गई है कि आतंकी कई बड़े नेता और संस्थानों को भी निशाना बनाया जा सकता हैं।

लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद सहित कुछ आतंकी संगठन देश में किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते हैं

रिपोर्ट के मुताबिक, आतंकी पैरा ग्लाइडर्स और यूएवी का इस्तेमाल अपनी नापाक घटनाओं को अंजाम देने के लिए कर सकते हैं। दिल्ली पुलिस को दिल्ली के आसपास के इसतरह के इलाके जहां रोहिंग्या और अफगानी नागरिक रहते हैं, वहां पर विशेष नजर रखने की हिदायत दी गई है। इस अलर्ट के बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा जांच बढ़ाना शुरू कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ में आतंकी हमले की आशंका, अलर्ट जारी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर में स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलिस ने सभी जिलों के एसएसपी को सतर्क रहने व नाकों पर चौकसी बढ़ाने का आदेश जारी किया है। सूत्रों के अनुसार रामबन, किश्तवाड़ और डोडा जिले में आतंकी हमले की ज्यादा आशंका है। यही कारण है कि बुधवार से किश्तवाड़ में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं गुरुवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक मुकेश सिंह किश्तवाड़ पहुंचे हुए हैं। जिले के सभी पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की जा रही है। हिमाचल प्रदेश और कश्मीर से सटे किश्तवाड़ जिले के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर सुरक्षाबलों ने बुधवार को शहर में तलाशी अभियान चलाया। बस स्टैंड और साथ सटे क्षेत्रों को भी खंगाला गया। हर आने-जाने वाले की तलाशी के साथ ही वहां खड़े वाहनों की जांच की। वहीं बुधवार देर रात को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर के अलोचीबाग इलाके में आतंकवादियों ने पुलिस की गाड़ी पर निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी और फिर फरार हो गए। राहत की बात यह थी कि किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आतंकवादियों ने अंधेरे का फायदा उठाया और भागने में कामयाब रहे। कश्मीर संभाग की पुलिस ने ट्वीट कर बताया, 'श्रीनगर के अलोचीबाग इलाके में आतंकवादियों ने एक गाड़ी में सवार पुलिस पार्टी पर फायरिंग की। पुलिस दल ने आतंकवादियों के हमले का माकूल जवाब दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई को देखते हुए आतंकवादी मौके से भाग गए।'

हरभजन सिंह ने संसद में अफगानिस्तान में सिखों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया, सभापति ने की प्रशंसा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

टीम इंडिया के मशहूर क्रिकेटर रहे और अब राजनेता बने हरभजन सिंह ने संसद में अफगानिस्तान और सिखों पर कुछ ऐसा कहा कि उनकी तारीफ राज्यसभा के सभापति ने भी कर दी। हरभजन सिंह ने राज्यसभा में अफगानिस्तान में सिखों और गुरुद्वारों पर हमले का मुद्दा उठाया। हरभजन सिंह ने कहा अफगानिस्तान में सिखों पर हमले हो रहे हैं। यह ऐसा मुद्दा है जिससे सिखों की भावनाएं आहत हो रही हैं। दरअसल, पंजाब से आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने अफगानी सिखों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। बुधवार को राज्यसभा में हरभजन सिंह बोलते नजर आए। हरभजन सिंह हाथ जोड़कर खड़े हुए और अपनी बात रखी। हरभजन ने कहा कि अफगानिस्तान में सिखों और गुरुद्वारों पर हमले से सिखों की भावनाएं आहत हो रही हैं। यह सिखों की पहचान पर हमला हो रहा है। क्यों हमें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने इस दौरान सिखों के सामाजिक कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल के दौरान गुरुद्वारों ने सिर्फ भोजन ही नहीं बल्कि ऑक्सीजन तक उपलब्ध कराई। हर मुश्किल वक्त में सिख समुदाय के लोग सेवा के लिए सबसे आगे रहते हैं, फिर हमें निशाना क्यों बनाया जा रहा है। सिख समुदाय भारत और अन्य देशों के बीच संबंधों की एक मजबूत कड़ी रहा है। इसके आगे हरभजन सिंह ने कहा कि ये एक ऐसा मुद्दा है जिसने दुनिया के किसी भी कोने में रहने वाले सिख की भावना को आहत किया है। यह एक सिख होने की पहचान पर हमला है। इस तरह के हमले हमें कई सवाल करने पर मजबूर कर देते हैं कि यह हमले हमारे ऊपर ही क्यों होते हैं। क्यों हमें ही निशाना बनाया जा रहा है। हरभजन ने अपनी बात जैसे ही खत्म की तो इसके बाद राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू ने भी उनकी तारीफ की। इस पर सांसदों ने तालियां बजाईं। इतना ही नहीं इसके बाद सभापति ने देश के विदेश मंत्री का जिक्र करते हुए उन्हें इस मामले पर ध्यान देने के लिए भी कहा। हरभजन सिंह ने संसद में दिए अपने भाषण का वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर भी पोस्ट किया है।

मुंबई पुलिस ने दवा बनाने वाली कंपनी पर मारा छापा, 1400 करोड़ की ड्रग्स जब्त

मुंबई । मुंबई पुलिस ने पालघर के नालासोपारा में दवा बनाने वाली कंपनी पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान 1400 करोड़ रुपये की 700 किलोग्राम से ज्यादा मेफेड्रोन (ड्रग्स) जब्त किया गया। पुलिस ने छापे के दौरान 5 लोगों को भी गिरफ्तार किया हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच के एंटी नारकोटिक्स सेल ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर ये कार्रवाई की गई है। उन्हें जानकारी मिली थी कि कंपनी में मेफेड्रोन नाम की प्रतिबंधित दवा का निर्माण हो रहा है। अधिकारी ने बताया कि चार आरोपियों को मुंबई में गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक व्यक्ति को पालघर के नालासोपारा से अरेस्ट किया गया। क्राइम ब्रांच का दावा है कि पिछले कुछ दिनों में नशीली दवाओं के खिलाफ की गई कार्रवाई में ये सबसे बड़ा एक्शन है। मेफेड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' या एमडी के रूप में भी जाना जाता है। यह एक सिंथेटिक ड्रग है। यह नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित पदार्थ है। बता दें कि इस तरह की कार्रवाई डीआरआई की टीम ने गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर 20 सितंबर 2021 को किया था। यहां से 9000 करोड़ रुपये की ड्रग्स बरामद की गई थी। एजेंसी के अधिकारियों ने वहां से 2,988.22 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। ड्रग्स की खेप का कनेक्शवन आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा से था। दरअसल, पकड़ी गई नशे की खेप विजयवाड़ा की आशी ट्रेडिंग कंपनी के आयात किए गए पैकेज के अंदर छिपी हुई थी। कंपनी अफगानिस्तान से टैल्क पत्थरों को आयात करने का दावा करती है और उन्हें ईरान के अब्बास पोर्ट से गुजरात की मुंद्रा पोर्ट भेजती है। विजयवाड़ा की कंपनी पर आरोप है कि वह कंधार में हसन हुसैन लिमिटेड से आयातित 'टैल्कम पाउडर' के नाम पर हेरोइन की तस्करी कर रही थी। इस रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा, मैं पीएम मोदी से नहीं डरता हूं

भाजपा का आरोप, कांग्रेस डर क्यों रही

नई दिल्ली । (एजेंसी)

मानसून सत्र के दौरान कुछ दिन पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी संसद परिसर में बेहद गुस्से में दिखी थीं। गुरुवार को राहुल गांधी भी कुछ उसी तेवर में दिखाई दिए। संसद के गलियारे में राहुल ने सवालों का जवाब भी ठीक वैसे ही दिया जैसे कुछ दिन पहले सोनिया गांधी ने दिया था। सालों बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी इतने सख्त और तमतमाए दिखाई दिए। तल्ख तेवर के साथ राहुल ने केंद्र की मोदी सरकार पर हमला किया। कर्नाटक दौरा बीच में छोड़कर दिल्ली पहुंचे राहुल गुरुवार को संसद भवन में पहुंचे। संसद के गलियारे में तेज कदमों से चल रहे राहुल का रौद्र रूप दिख रहा था। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से मैं बिल्कुल नहीं डरता। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि सच्चाई को नहीं दबाया जा सकता है। उन्होंने पीएम मोदी से लेकर अमित शाह पर हमला किया। मुंह पर मास्क लगाए गुस्से में दिख रहे राहुल गांधी से पूछा गया कि कांग्रेस के 5 अगस्त को महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक सामानों पर जीएसटी बढ़ाने के खिलाफ प्रदर्शन को लेकर प्रशासन की सख्ती बरत रहा है। राहुल ने कहा, बढ़िया और करिए, सच्चाई को बैरिकेड नहीं किया जा सकता है। गौरतलब है कि पुलिस ने कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के आवास के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी है। राहुल से पूछा गया कि कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के पास प्रदर्शन नहीं करने को लेकर नोटिस दिया है, इसपर राहुल ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करना हमारा अधिकार है। उन्होंने कहा कि देखते हैं क्या करना है। परमिशन नहीं दे रही है पुलिस ठीक है, रोकिए। इस बीच भाजपा के आरोपों का जवाब देकर उन्होंने कहा कि भागने की कौन बात कर रहा है। भागने की बात वहां कर रहे हैं। हम नरेंद्र मोदी से नहीं डरते हैं। कर लें जो करना है, कुछ फर्क नहीं पड़ता है। जो मेरा काम है, देश की रक्षा करना, लोकतंत्र की रक्षा करना, सद्भाव को बनाकर रखना, मैं इन तमाम कामों को करता रहूंगा। चाहे ये लोग कुछ भी कर लें। दरअसल भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था कि कांग्रेस डर क्यों रही है। कांग्रेस पहले सत्याग्रह की बात कर रही थी और अब सत्याग्रह की जगह रण की बात कर रही है। उन्होंने कहा था कि न रण होगा और न ही 'रन' होगा। देश का संविधान और कानून सभी के लिए बराबर है। उन्होंने कहा था कि देश के कानून के साथ युद्ध संभव नहीं है। कानून किसी को नहीं छोड़ता है। इसी के साथ उन्होंने कहा था कि संबित पात्रा ने कहा कि भ्रष्टाचार और रण दोनों नहीं हो सकता है। भ्रष्टाचार हुआ है तो पकड़े जाएंगे। भ्रष्टाचार हुआ है तो कानून के सामने पेश होना पड़ेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार बाधाएं दरअसल भी भयावह चीजें है, जिन पर आपका ध्यान उस समय जाता है जब आप की नजर लक्ष्य से हट जाती है। हेनरी फोर्ड

संपादकीय

भारत क्या पाकिस्तान की मदद करे?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघ और मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह ने भारत के प्रति जिन शब्दों में आभार व्यक्त किया है, वैसे कर्णप्रिय शब्द किसी पड़ौसी देश के नेता शायद ही कभी बोलते हैं। क्या ही अच्छा हो कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नेपाल के शीर्ष नेता भी भारत के लिए वैसे ही शब्दों का प्रयोग करें। यह बात मैंने एक भाषण में कही तो कुछ श्रोताओं ने मुझसे पूछा कि क्या पाकिस्तान भी कभी भारत के लिए इतने आदरपूर्ण शब्दों का इस्तेमाल कर सकता है? श्रीलंका और मालदीव, ये दोनों हमारे पड़ौसी देश भयंकर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। ऐसे में भारत ने इन दोनों देशों को अनाजों, दवाइयों और डॉलरों से पाट दिया है। ये दोनों देश भारत की मदद के बिना अराजकता के दौर में प्रवेश करनेवाले ही थे। श्रीलंका के राष्ट्रपति ने अपनी संसद को दिए पहले संबोधन में भारत का नाम लेकर कहा कि भारत ने श्रीलंका को जीवन-दान किया है। भारत ने श्रीलंका को 4 बिलियन डॉलर तथा अन्य कही सहूलियतें इधर दी हैं जबकि चीन ने भारत के मुकाबले आधी मदद भी नहीं की है और वह श्रीलंका को अपना सामरिक अड्डा बनाने पर तुला हुआ है। इसी तरह पिछले कुछ वर्षों में मालदीव के कुछ नेताओं को अपना बगलबच्चा बनाकर चीन ने उसके सामने कई चूसनियां लटका दी थीं लेकिन इसी हफ्ते मालदीव के राष्ट्रपति सोलेह की भारत-यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच छह समझौतों पर दस्तखत हुए। सोलिह ने कोरोना-काल में भारत द्वारा भेजी गई दवाइयों के लिए भारत के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में आतंकवाद और राष्ट्रों के उस पार से होनेवाले अपराधों के विरुद्ध भारत के साथ खुला सहयोग करने की बात कही है। बिना बोले ही उन्होंने सब कुछ कह दिया है। भारत की मदद से सैकड़ों करोड़ रु. के कई निर्माण-कार्यों की योजना भी बनी है। भारत ने मालदीव को अनेक सामरिक संसाधन भी भेंट किए हैं। अब प्रश्न यही है कि क्या भारत ऐसे ही लाभदायक काम पाकिस्तान के लिए भी कर सकता है? किसी से भी आप यह प्रश्न पूछें तो उसका प्रश्न यही होगा कि आपका दिमाग तो ठीक है? पाकिस्तान का बस चले तो वह भारत का ही समूल नाश कर दे। यह बात मोटे तौर पर ठीक लगती है लेकिन अभी-अभी अल-क़ायदा के सरगना जवाहिरी के खात्मे में पाकिस्तान का जो सक्रिय सहयोग रहा और उसामा बिन लादेन के बारे में भी उसकी नीति यही रही, इससे क्या सिद्ध होता है? यही कि मजबूरी का नाम महात्मा गांधी! जब आसिफ ज़रदारी राष्ट्रपति थे तो मैंने फोन करके पूछा कि आपके भयंकर आर्थिक संकट में क्या हम आपको कुछ मदद दें तो आप स्वीकार कर लेंगे? उससे आपकी सीट को खतरा तो नहीं हो जाएगा? उनकी तरफ से हर्ष और आश्चर्य दोनों व्यक्त किए गए लेकिन हमारे प्रधानमंत्री मनमोहनसिंहजी की हिम्मत नहीं पड़ी। यदि नरेंद्र मोदी इस समय शाहबाज शरीफ को वैसा ही इशारा करके देखें तो शायद कोई चमत्कार हो जाए। भारत-पाक संबंधों में अपूर्व सुधार के द्वार खुल सकते हैं।

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

तबादलों के अनुभव से मिले नये सबक

गुरबचन जगत

वर्ष 1973 की गर्मियों में मेरी नियुक्ति बंठिडा में बतौर एसएसपी हुई। स्थानांतरण की इस खबर को मैंने कुछ ऊहापोह के साथ लिया क्योंकि मैं बहुत छोटे से जिला, कपूरथला से निकलकर विशालकाय बठिंडा जिला मंडल का कामकाज संभालने जा रहा था। जैसे ही हमने बठिंडा की ओर रवानगी की तो फरीदकोट से परे परिदृश्य बदलने लगा। सड़क के दोनों ओर रेत के टिब्बे दिखाई देने लगे। कहीं-कहीं ऊंटों पर सवार या साथ चले हुए लोग थे, जो हथियार और कारतूस जड़ी पट्टी से लैस थे। यह हम कहां आ गए और अनुभव कैसा रहेगा? ऐसा मंज़र मैंने पहले कभी नहीं देखा था। बाद में मुझे पता चला कि ये बंदूकें अकारण नहीं हैं और इन्हें 'मालवे का गहना' कहा जाता है। नए आए व्यक्ति के लिए बठिंडा एक ऐसा क्षेत्र है जिसने सदियों तक युद्ध देखे हैं। पुराने शहर में बना किला मुबारक इन लड़ाइयों का गवाह है। इस दुर्ग ने गज़नी, गौरी, पृथ्वीराज चौहान, रज़िया सुल्तान और बहुत से राजा-रानियां देखी हैं। सिख इतिहास में भी गुरुसर और मुक्तसर की लड़ाई इस क्षेत्र की किंवदंती है। मुदकी और फिरोज़शाह के युद्ध एंग्लो-सिख लड़ाई में प्रमुख युद्ध हैं। गिनाने बैठें तो इनकी सूची बहुत लंबी है। इस इलाके में लोगों और राजनेताओं की एक बड़ी मांग बंदूक का लाइसेंस पाने की रही है। चाहे इसकी एवज में एक बांह या टांग क्यों न देनी पड़े! बंदूक इनके लिए गहना है- हाथ में बंदूक, सीने पर तिरछी पट्टी में सजे कारतूस और अकड़कर चलना, अन्यत्र दुर्लभ दृश्य थे। जब मुझसे मिलने वाले आने शुरू हुए तो मैंने उनकी बोली भी कुछ अलहदा ढंग की पाई, जिसे समझने के लिए कई मर्तबा सहायकों की जरूरत पड़ती थी। स्थानीय संस्कृति को समझने में कुछ समय लगा। एक बार एक विधायक महोदय आए और मुझे मानसा में हुई हत्या के बारे में बताया, जिसकी जांच वे किसी वरिष्ठ अफसर से करवाना चाहते थे। मैं उनकी बताई तफ्सील भूल गया सो दरियाफ्त के लिए वहां के एसएचओ को फोन लगाया। अब यहां एक नई मुश्किल पैदा हुई क्योंकि बीते सप्ताह सात हत्याएं हुई थीं। मैं सन्न रह गया क्योंकि कपूरथला में सालभर में एक या दो हत्या की वारदात होती थी। फिर हर जानकारी को बहुत सावधानी से सहेजने लगा, क्योंकि ज्यादातर मांग हत्या की जांच फिर से करवाने की होती थी। इससे भ्रष्टाचार का अपना एक चक्र बनता है और केस कमजोर होता है। एक बार एक ग्रामीण हत्या की जांच को लेकर शिकायत करने आ गया। मैंने कहा यदि उसे एसएचओ की जांच से तसल्ली नहीं है तो मामला डीएसपी को सौंप दूं। उसका जबाव आया 'थाना गांठ लिया है' यानी जांच वहीं किसी और से करवाई जाए। मैं सिर खुजाता रह गया पर आगे कुरेदने पर अहसास हुआ कि विरोधियों ने डीएसपी समेत सारी स्थानीय पुलिस गांठ रखी है। मैं असमंजस में था क्योंकि एक ओर मुझे उसकी कही पर यकीन था और ठीक इसी वक्त अफसरों को लेकर अपना मन नहीं बना पा रहा था। एक ही रास्ता बचता था कि मामला एसपी रैंक के अफसर को सौंपा जाए और यदि फिर भी बात न बने तो सीआईडी को। बाद में मुझे पता चला कि हत्या के मामलों में, योजनाबद्ध वध करने से पहले भारी पैसा पुलिस वालों को चढ़ा दिया जाता है। जांच शुरुआत से ही सीधे वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपने से इस समस्या से काफी हद तक पार पा लिया गया। मामले पर नजदीकी निगरानी बनाकर, जांच में वरिष्ठ अधिकारी शामिल कर और शिकायतकर्ताओं से सम्पर्क बनाकर हम इस अलामत से निबट पाए। शिकायतकर्ता भी खेल करते हैं और उन्हें प्राथमिकी में वास्तविक आरोपियों के अलावा अन्य लोगों का नाम जोड़ने की आदत है ताकि पूरे परिवार को मुकद्दमेबाजी में घसीट सकें। झूठ में से सच को सावधानी से छांटकर अलग करना पड़ता है क्योंकि जैसे ही किसी बेगुनाह का नाम अभियोगपत्र से हटाया नहीं कि पुलिस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने शुरू। फिर भी, यदि पुलिस की तफ्तीश न्यायोचित हो तो ये आरोप खुद-ब-खुद खत्म हो जाते क्योंकि इलाके के लोगों को सच का पता होता था। हत्या का आम कारण बदला लेना था। दुश्मनी पुश्त-दर-पुश्त चलती है और 'अपराध का बदला अपराध' वाली रीत निरंतर चलती रहती है। माफ कर देना और दया का गुण नगण्य था। मुझे एक मामला याद आ रहा है, जब लगभग एक 20 वर्षीय युवा ने थाने पहुंचकर अपना गुनाह कुबूल किया। मैंने इसके पीछे कारण पूछा तो उसका जवाब था कि जब पैदा होने वाला था तो उसके पिता को मृतक ने मार डाला था और बड़े होने तक उसकी मां की एक ही मांग थी- अपने बाप का बदला लेना। यह बात उसके मन में गहरे पैठ गई और पहला मौका मिलते ही उसने करतूत कर डाली- आपकी जानकारी के लिए, यह है मालवा। फिर एक अन्य बड़ी समस्या थी, नहरों में कट लगाकर पानी खींच लेना, जिससे विभिन्न पक्षों के बीच लड़ाई और हत्या तक की नौबत बनती। दोआबा के बरक्स, वहां सिंचाई मुख्यत: नहरों के मार्फत होती है और क्षेत्रवार पानी छोड़े जाने का दिन और समय मुकर्रर होता है। बहुत दफा किसी का नंबर रात को आता, लेकिन जल धारा में ऊपर वाले लोग ज्यादा पानी खींचने के वास्ते अपनी वैध बारी आने से पहले नहरी तट में कट लगा पानी मोड़ लेते, इससे निचली तरफ के लोगों को जल से महरूम होना पड़ता। यह कारक लड़ाइयों और हत्याओं में तब्दील होता। अपराध-डायरी में 'नहर-कट' के मामलों के लिए बाकायदा अलहदा से प्रकोष्ठ बना होता। इस विषय पर मुझे तत्कालीन डीआईजी चौधरी राम सिंह ने स्पष्ट और विस्तृत आदेश दे रखे थे। इन जैसे बहुत अनुभवी वरिष्ठ अफसरों से सीखने की प्रक्रिया सतत थी और यहां मुझे एक वाकया याद आ रहा है। दिवाली से दो दिन पहले, फिरोज़पुर रेंज के डीआईजी (दिवंगत सीके साहनी जो बाद में पंजाब के पुलिस महानिदेशक बने) ने मुझसे पूछा कि दिवाली शांतिपूर्ण रहे, इसको लेकर मेरी कार्ययोजना क्या है। उन्होंने सलाह दी कि दिवाली वाले दिन सुबह से ही काम पर लगो और जिले के सबसे दूरस्थ थाना बोहा, जोकि बठिंडा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर है, वहां जाओ। मुझे वहां यह सुनिश्चित करने के लिए छापा मारना था कि क्या गश्ती दल भेजे गए या नहीं। जाहिर था जैसे ही मैं पहले थाने पहुंचा, उन्होंने आगे वालों को आगाह कर दिया, नतीजन कहीं भी कोताही नहीं पाई गयी। लेकिन इस सारी मशक्कत का प्रयोजन भी यही था कि सब चौकस होकर काम पर लगें और ड्यूटी निभाएं। रास्ते के लिए मैं अपने साथ सैंडविच लेकर चला था इसलिए कहीं रुकना नहीं पड़ा। धूल भरी सिंगल लेन सड़कों पर सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय कर जब मैं देर शाम को वापस पहुंचा तो मेरे लिए डीआईजी साहब का दिन का आखिरी निर्देश बाट जोह रहा था कि यह जांच करूं कि कहीं संतरी ने दिवाली की 'मिठाई' तो स्वीकार नहीं की। मुझे जवाब में न मिलने पर तसल्ली हुई। अगले दिन, मुझे पता चला कि दिवाली पर हुई हत्याओं की संख्या पिछले साल के मुकाबले इस बार 80 फीसदी कम रही। ऐसे बहुत से किस्से सुनाने को हैं, सभी वास्तविक, यह समय व्यावसायिक पहलू, बोली का प्रारूप, हाव-भाव और जिंदगी जीने के अलग अंदाज के बारे में जानने-सीखने में काफी अनुभव भरा रहा। दोआबा और माझा के मुकाबले मालवा के अधिकांश लोग प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आदरपूर्ण भाव रखते थे और कभी भी काम की खातिर घर पर नहीं आए।

संकल्प से सिद्धि के बेमिसाल आठ साल

- डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

संकल्प से सिद्धि की दृष्टि से मोदी सरकार के आठ साल बेमिसाल रहे हैं। यह सरकार अपने संकल्प के अनुरूप गरीबों के प्रति समर्पित रही है। अर्थिक स्वावलंबन का अभियान चलाया गया। गरीबों के जीवनस्तर को ऊपर उठाने के प्रयास किए गए। मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के लिए अनेक योजनाएं क्रियान्वित की गई। पद्म सम्मानों का अभूतपूर्व अध्याय शुरू हुआ। नरेन्द्र मोदी को दो बार राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार चयन का अवसर मिला। दोनों बार उन्होंने समाज के वंचित वर्ग को सम्मानित किया। पहले रामनाथ कोविंद और वनवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचाया। रामनाथ कोविंद के सम्मान में आयोजित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रात्रि भोज में इन आठ सालों की झलक दिखाई दी। भोज में मौजूद पद्म पुरस्कार विजेताओं, आदिवासी समुदाय के नेताओं और अन्य लोगों का प्रधानमंत्री ने स्वागत किया। ऐसे रात्रिभोज में सिर्फ मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों,नौकरशाहों और दिल्ली में सत्ता के गलियारों के इर्द-गिर्द रहने वाले लोगों और मशहूर हस्तियों को ही बुलाने की पुरानी परम्परा का मोदी ने पालन नहीं किया। इसमें अपने सामाजिक संकल्प के अनुरूप सुधार किया। समारोह में वनवासी और वंचित समुदाय के लोगों को सम्मलित होने का अवसर मिला। मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित भोज में जनजातीय समाज को महत्व दिया। स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समाज के उपेक्षित प्रसंगों को उजागर किया। प्राय- ऐसे लोगों को यह पुरस्कार मिलता रहा है ,जिनका योगदान प्रत्यक्ष दिखाई देता है। इसमें कुछ भी अनुचित नहीं है। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार ने इस संबंध में एक नायाब कदम बढ़ाया। यह उनके कुछ नया करने की इच्छाशक्ति का प्रमाण भी है। इसके अंतर्गत बुनियाद बन कर समाज सेवा करने वालों को सम्मानित करने का निर्णय किया गया। भवन की बुनियाद दिखाई नहीं देती। लेकिन विशाल महलों,अट्टालिकाओं का अस्तित्व उसी पर निर्भर करता है। बावजूद इसके लोग सामने दिखने वाले भवन की प्रशंसा करते हैं। बुनियाद की चर्चा भी नहीं होती। ऐसे ही समाज में बहुत से लोगों ने अपना जीवन लगा दिया,लेकिन वह खुद नींव की तरह ही बने रहे। पद, वैभव, यश की कोई कामना नहीं की। पुरस्कार या सम्मान देने वालों की भी उनपर नजर नहीं पड़ी। नरेन्द्र मोदी ने नींव पर भी ध्यान दिया। अनेक लोग दिखाई दिए। इनके मन में किसी पुरस्कार की रंचमात्र भी इच्छा नहीं थी। वह इन सीमित विचारों से बहुत आगे निकल चुके थे। ऐसे अनेक लोग इस सरकार में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किए गए। इसमें गुमनाम समाजसेवकों, कलाकारों आदि को भी शामिल किया गया। इस प्रकार यह प्रतिष्ठित पुरस्कार गांव ही नहीं वनवासी क्षेत्रों तक पहुंच गया। इस बार के सम्मान समारोह में अद्भुत दृश्य दिखाई दिए। अक्सर चित्र भी अपने में बहुत कुछ कह जाते हैं। शायद यही कारण रहा होगा कि मूल संविधान में अनेक चित्र दिए गए थे। इनकी प्रेरणा यह थी कि शासन को आमजन के प्रति समर्पित होना चाहिए। समय के साथ ये चित्र तो विलुप्त हो गए। फिर भी शीर्ष संवैधानिक पदों से संबंधित कतिपय चित्र प्रभावित करते हैं। पिछले कुछ ही दिनों में ऐसे ही दो चित्र प्रभावित करने वाले थे। पहला वह जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रयागराज कुंभ में सफाई कर्मियों के पैर धो रहे हैं, दूसरा वह जिसमें तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द पदम् पुरस्कार प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने सम्मान देते हुए एक समाजसेवी महिला के सामने सिर झुका दिया। इस बुजुर्ग महिला ने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इस चित्र पर विचार करते हैं तो एक नया अध्याय उभरता है। इनमें से कोई पहाड़ तोड़ कर अकेले ही सड़क बनाता रहा। कइयों ने गावों में हजारों जल संरचनाएं निर्मित कीं। शिव गंगा ,हलमा जैसे भगीरथी संघर्ष से सूखे खेतों को पानी पहुंचाया।

पद्मश्री हलधर नाग भी प्रधानमंत्री के इस भोज में शामिल हुए थे। उनके पास वर्तमान में तीन जोड़ी कपड़े ,एक टूटी रबड़ की चप्पल, एक बिन कमानी का चश्मा और जमा पूंजी सात सौ बत्तीस रुपये है। पद्मश्री सम्मान की सूचना मिली तो उन्होंने जवाब भेजा कि साहब नई दिल्ली आने के पैसे नहीं है। कृपया पुरस्कार डाक से भिजवा दें। कहने में गुरेज नहीं कि मोदी सरकार ऐसे लोगों के द्वार तक पहुंच रही है। सम्मान दे रही है। यह संकल्प सिद्धि का नया भारत है। इन नये भारत के नायक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज के कार्टुन

जिंदगी

आचार्य रजनीश ओशो/ आज तक का समाज दुख से भरा हुआ समाज है, उसकी ईट ही दुख की है, उसकी बुनियाद ही दुख की है। जब दुखी समाज होगा तो समाज में हिंसा होगी क्योंकि दुखी आदमी हिंसा करेगा। जब समाज दुखी होगा और जीवन दुखी होगा तो आदमी क्रोधी होगा, दुखी आदमी क्रोध करेगा। और जब जिंदगी उदास होगी, दुखी होगी, तो युद्ध होंगे, संघर्ष होंगे, घृणा होगी। दुख सब चीज का मूल उद्गम है। यदि नये समाज को जन्म देना हो तो दुख की ईटों को हटा कर सुख की ईटें रखनी जरूरी हैं, तो वे तभी रखी जा सकती हैं, जब हम जीवन के सब सुखों को सहज स्वीकार कर लें और सब सुखों को सहज निमंतण्रदे सकें। जिंदगी का अपना सौंदर्य है, मृत्यु का अपना। जो देखने में समर्थ हो जाता है वह सब चीजों से सौंदर्य और सब चीजों से सुख पाना शुरू कर देता है। लेकिन यह क्यों भूल हो गई कि आदमी इतना उदास और दुखी क्यों हमने निर्मित किया? यह भूल इसलिए हो गई कि हम शरीर के शत्रु हैं। इंद्रियों के दुश्मन हैं। इंद्रियों की दुश्मनी की जरूरत नहीं है। इंद्रियों की गुलामी न हो, इतना ही काफी है। इंद्रियों की मालकियत बहुत है। लेकिन इंद्रियों की मालकियत के लिए इंद्रियों से दुश्मनी करने की कोई जरूरत नहीं है। सच तो यह है कि जिसके हम दुश्मन हो जाएं उसके हम मालिक कभी भी नहीं हो पाते। मालिक तो हम सिर्फ उसी के हो पाते हैं जिसे हम प्रेम करते हैं। इंद्रियों और शरीर की दुश्मनी के कारण एक द्वैत आदमी में हमने पैदा किया है। हमने बताया है कि शरीर कुछ और, इंद्रियां कुछ और, तुम कुछ और; और तुम्हारे और शरीर के बीच सतत दुश्मनी है, लड़ाई है। अब हम अपने ही द्वार-दरवाजों से लड़ रहे हैं। जैसे कोई आदमी एक घर में रहता हो, और अपनी खिड़कियों का दुश्मन हो जाए, अपने दरवाजों का दुश्मन हो जाए, और खिड़कियों और अपने बीच दुश्मनी मान ले। हम यहां जिस तरह की जिंदगी जीते हैं, आगे जो जिंदगी है हम उसके आधार यहीं रखते हैं, इसी पृथ्वी पर, इस पृथ्वी के विरोध में नहीं। अगर आत्मा की कोई जिंदगी है तो उसके आधार हम रखते हैं शरीर की जिंदगी में, शरीर के विरोध में नहीं। अगर अतींद्रिय कोई आनंद हैं, तो उनके भी आधार हम रखते हैं इंद्रियों के आनंदों में, उसके विपरीत नहीं। जिंदगी विरोध नहीं, हार्मनी है। यहां किसी चीज में कोई विरोध नहीं है। न शरीर और आत्मा में विरोध है, न पदार्थ और परमात्मा में विरोध है। यहां किसी चीज में विरोध नहीं है, जिंदगी एक इकट्ठी चीज है।

सू-दोकू नवताल -2181

4	6		3	5	8			7
							5	
3		9			4		2	6
			5		7		8	
2		5				6		1
	3		2		1			
1	2		6			7		8
	9							
7			4	1	3		9	2

सू-दोकू -2180 का हल

5	7	9	1	8	4	6	3	2
3	1	4	7	2	6	5	8	9
6	2	8	9	3	5	1	7	4
4	8	3	5	7	2	9	6	1
7	9	1	4	6	8	3	2	5
2	6	5	3	1	9	7	4	8
8	3	2	6	9	1	4	5	7
9	4	6	2	5	7	8	1	3
1	5	7	8	4	3	2	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2181

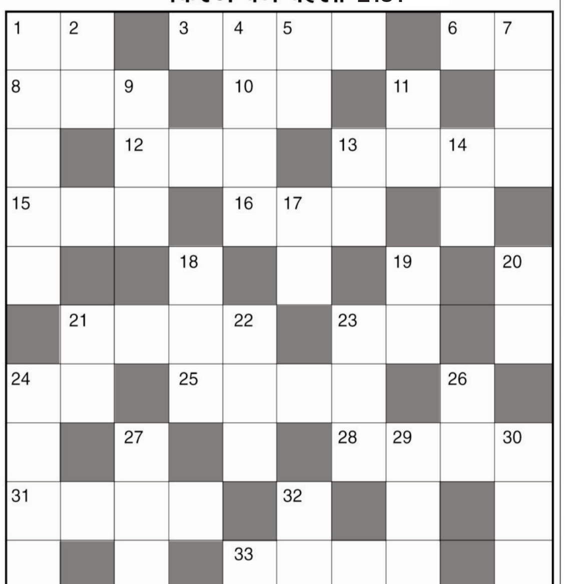

बायें से दायें:-

1. 'नदिया किनारे आओ जाना' गीत वाली संजय दत्त, आफताब शिवदासानी, नंदितादास की फिल्म-2
3. जॉय मुखर्जी, माला सिन्हा, शर्मिला टैगोर की फिल्म-4
6. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की फिल्म-2
8. 'सारा जमाना हसीनों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
10. फिल्म 'बावर्ची' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी-2
12. 'दो नैनों में आंसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा मालिनी, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
13. 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
15. 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, की फिल्म-3
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
21. मनोज कुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
23. दिलीप कुमार, रेखा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-2
24. नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया हूं' गीत वाली फिल्म-2
25. 'इस से पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
28. शाहरुख, विवेक मुशरान, जूही की फिल्म-4
31. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी याद में' गीत वाली शशि कपूर की फिल्म-4
33. संजीव कुमार, लीना चंदावरकर की 'तन मन धन सब है तेरा' गीत वाली फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'ये जुल्फ कैसी है जंजीर जैसी है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
2. फिल्म 'साया' में जॉनअब्राहम की नायिका-2
4. अमिताभ, परवीन बॉबी की 'देख सकता हूं मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-4
5. 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-2
7. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
9. 'तुम्हारी पलकों की चिलमनों में' गीत वाली फिल्म-3
11. अजय देवगन, रवीना, रीना राय की फिल्म-2
13. अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-2
14. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार आजा' गीत वाली फिल्म-2
17. फिल्म 'तक्षक' की नायिका-2
18. सोहराब मोदी, सुनील दत्त, निम्मी की फिल्म-3
19. संजय खान, मुमताज की 'गोरी के हाथ में जैसे ये छल्ला' गीत वाली फिल्म-2
20. अभिषेक, विवेक, अजय, रानी, करीना, एशा देओल की फिल्म-2
21. 'कोई जब राह न पाये' गीतवाली फिल्म-2
22. अष्मित पटेल, मीरा की 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली फिल्म-3
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
24. 'हो छोड़ो छोड़ो मेरी राहें' गीत वाली राकेश रोशन, शत्रुघ्न, रीना राय, रंजीता की फिल्म-4
26. संजय कपूर, माधुरी दीक्षित की 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-2
27. 'है ना बोलो बोलो' गीत वाली फिल्म-3
29. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की फिल्म-3
30. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली हैं-3
32. शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2180

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में यह गिरावट बैंक के साथ ही ऊर्जा शेयरों में मुनाफावसूली से आई है। इसके साथ ही निवेशकों के सतर्क रुख से भी बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 51.73 अंक करीब 0.09 फीसदी नीचे आकर 58,298.80 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 6.15 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी टूटकर 17,382 अंक पर बंद हुआ। बाजार जानकारों के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की शुक्रवार को जारी होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा को देखते हुए भी निवेशकों के सर्तक रैवैये से बैंक और रियल्टी क्षेत्र पर दबाव आया। सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावरग्रिड और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा, नेस्ले इंडिया, इन्फोसिस, डॉ. रेड्डीज, विप्रो और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर ऊपर आये हैं। अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने की आशंका से भी निवेशक बाजार से दूर हुए हैं। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग लाभ के साथ ही ऊपर आये। दूसरी ओर

यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में उछाल रहा जबकि अमेरिकी बाजार बाजारों में बढ़त दर्ज की गयी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ ही 96.51 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आये उछाल के बीच ही दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 487 रुपये की बढ़त के साथ ही 52,566 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 52,079 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 426 रुपये की बढ़त के साथ 58,806 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 58,380 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। बाजार में शुरुआती कारोबार में रुपया 36 पैसे नीचे आकर 79.51 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर वृहद आर्थिक आंकड़ों के साथ ही अमेरिका-चीन के बीच तनाव बढ़ने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ के साथ ही 1,774 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था जबकि चांदी 20.12 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी।

वाहनों की बिक्री जुलाई में आठ प्रतिशत घटी: फाडा

नई दिल्ली । यात्री वाहनों और दोपहिया वाहनों और ट्रेक्टरों के पंजीकरण में कमी आने से जुलाई में वाहनों की खुदरा बिक्री सालाना आधार पर आठ प्रतिशत घट गई। ऑटो डीलरों के निकाय फाडा ने यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार पिछले महीने वाहनों की कुल खुदरा बिक्री 14,36,927 इकाई रही जो जुलाई 2021 में 15,59,106 इकाई थी। यात्री वाहनों (पीवी) की खुदरा बिक्री जुलाई 2022 में सालाना आधार पर 5 प्रतिशत गिरकर 2,50,972 इकाई रही, जबकि जुलाई 2021 में यह आंकड़ा 2,63,238 इकाई था। फाडा ने कहा` कि जुलाई में बिक्री आंकड़े भले घटे हों लेकिन वाहनों के नए-नए मॉडल बाजार में उतारे जा रहे हैं विशेषकर कॉम्पैक्ट एसयूवी श्रेणी में जिससे वृद्धि में मदद मिल रही है। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री 11 प्रतिशत घटकर 10,09,574 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले की इस अवधि में यह 11,33,344 इकाई थी। जुलाई 2022 में 59,573 ट्रेक्टर बिके जो जुलाई 2021 की 82,419 इकाई से 28 फीसदी कम है। हालांकि तिपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री पिछले महीने सालाना आधार पर बढ़ी है। पिछले महीने 50,349 तिपहिया वाहन बिके जो पिछले साल की तुलना में 80 फीसदी अधिक है। इसी तरह वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 27 फीसदी की वृद्धि के साथ 66,459 इकाई रही।

आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने मल्टीपाई का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली । निवेश मंच आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने कहा कि उसने निवेशक समुदाय के लिए एक वेब और ऐप आधारित नेटवर्किंग मंच मल्टीपाई का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने बताया कि मल्टीपाई के जरिये उपयोगकर्ता शेयरों और अन्य प्रतिभूतियों के बारे में अपने विचार साझा कर सकते हैं। आईसीआईसीआई डायरेक्ट ने बयान में कहा कि इस सौदे में मल्टीपाई ऐप, प्रौद्योगिकी, ब्रांड, डोमेन नाम, उपयोगकर्ता आधार और अन्य संबंधित चीजों का अधिग्रहण शामिल है। हालांकि सौदे के वित्तीय विवरण का खुलासा नहीं किया गया।

अमेरिकी और यूरोपीय बाजार में तेजी रही

मुंबई । अमेरिका में कंपनियों के शानदार तिमाही प्रदर्शन और महंगाई में नरमी की उम्मीद को देखते हुए निवेशक ताबड़तोड़ पैसे लगा रहे हैं। यही कारण है कि अमेरिका के सभी प्रमुख शेयर बाजारों में पिछले सत्र में बड़ी तेजी दिखी। अमेरिका के बड़े शेयर बाजार में शामिल नेस्डेक पर 2.59 फीसदी का बड़ा उछाल दिखा है। वहीं अमेरिका की तर्ज पर यूरोप के भी सभी प्रमुख शेयर बाजारों में पिछले सत्र में बड़ी तेजी दिखी है। यूरोप के बड़े शेयर बाजारों में शामिल जर्मनी के स्टे टॉक एक्सचेंज पर पिछले सत्र में 1.03 फीसदी का उछाल दिखा तो फ्रांस का शेयर बाजार 0.97 फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ। लंदन स्टे टॉक एक्सचेंज पर भी पिछले सत्र में 0.49 फीसदी की बढ़त दिखी है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 17 पैसे नीचे आकर 79.32 (अस्थायी) के भाव पर बंद हुआ। इससे पहले अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 79.21 के स्तर पर खुला था। वहीं कारोबार के अंत में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 17 पैसे की गिरावट के साथ ही 79.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस रुपया 62 पैसे टूटकर 79.15 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इसी बीच, विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.27 फीसदी कम होकर 106.22 रह गया।

जियो ने 22 सर्कल के लिए 5जी स्पेक्ट्रम खरीदा

नई दिल्ली । 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी प्र क्रिया समाप्त हो चुकी है। देश की कंपनियों ने 1.5 लाख करोड़ रुपए की बोली लगाई है। नीलामी के लिए रखे गए 5जी स्पेक्ट्रम का 71 फीसदी हिस्सा बेचा जा चुका है। नीलामी में रिलायंस जियो की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी रही। जियो ने 22 सर्कल के लिए 5जी स्पेक्ट्रम खरीदा है। दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि सरकार अक्टूबर में 5जी सेवा की शुरूआत की उम्मीद कर रही है। रिलायंस की सेवा अगले साल जनवरी तक देश के 9 शहरों में पहुंच सकती है। रिलायंस जियो के चेयरमैन आकाश अंबानी ने कहा है कि हम 5जी की लॉन्चिंग के साथ ही आजादी का अमृत महोत्सव मनाने जा रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि सबसे पहले जियो अपने ग्राहकों को 5जी का तोहफा दे सकता है। जियो की 5जी सेवा 15 अगस्त को लॉन्च हो सकती है। दूरसंचार विशेषज्ञ का कहना है कि ग्राहकों के लिए 5जी सेवा की कीमत 4जी के बराबर नहीं होगी क्योंकि यूजर अल्ट्रा फास्ट सर्विस का चुनाव कर सकते हैं। कंपनियां नेटवर्क में किए गए अपने निवेश पर मुनाफा कमाने के लिए 5जी के लिए ज्यादा चार्ज लेंगी।

केंद्र ने 5जी युग में डिजाइन आधारित दूरसंचार पीएलआई योजना आवेदन की तारीख बढ़ाई

नई दिल्ली।

5जी स्पेक्ट्रम की सफल नीलामी के बाद देश में 5जी के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए, सरकार ने गुरुवार को डिजाइन आधारित निर्माण योजना के तहत आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 अगस्त तक बढ़ा दी।

दूरसंचार विभाग ने 12,195 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय के साथ 24 फरवरी, 2021 को डिजाइन-आधारित प्रोडक्शन-लिंक्ड योजना (पीएलआई) योजना को अधिसूचित किया था। दूरसंचार और नेटवर्किं ग प्रोडक्टस के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) योजना के दिशानिर्देशों को 1 अप्रैल से संशोधित किया गया है ताकि अतिरिक्त एक प्रतिशत प्रोत्साहन दरों के साथ डिजाइन आधारित विनिर्माण शुरू किया जा सके। पीएलआई योजना के तहत डिजाइन आधारित विनिर्माण के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 21 जून से शुरू हुई थी। इससे पहले, आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 अगस्त तक बढ़ा दी गई थी। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने जून में प्रोडक्शन-लिंक्ड इन्सेंटिव (पीएलआई) योजना की अवधि को एक वर्ष तक बढ़ाने के साथ-साथ डिजाइन-आधारित विनिर्माण के लिए एक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की थी।

डीओटी ने हितधारकों के सुझावों के आधार पर मौजूदा सूची में 11 नए दूरसंचार और नेटवर्किं ग प्रोडक्ट्स को जोड़ने को भी मंजूरी दी। डिजाइन-एलईडी निर्माण का मुख्य उद्देश्य भारत में दूरसंचार प्रोडक्टस को डिजाइन करने के प्रयासों का समर्थन करना है। सरकार ने मौजूदा सूची में 11 नए दूरसंचार और नेटवर्किं ग प्रोडक्ट्स को जोड़ने को भी मंजूरी दे दी है और मौजूदा प्रोत्साहन दरों के ऊपर 1 फीसदी की अतिरिक्त प्रोत्साहन दर देने की घोषणा की है।

सरकार ने गन्ने का एफआरपी बढ़ाकर 305 रुपए प्रति क्विंटल किया

- चीनी सत्र 2022-23 अक्टूबर-सितंबर के लिए लागू होगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली आर्थिक मामलों की केंद्रीय कैबिनेट (सीसीईए) ने गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) को 15 रुपए बढ़ाकर 305 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है। दरअसल एफआरपी वह कीमत होती है जिसके नीचे किसानों को भुगतान नहीं किया जा सकता है। यह मूल्य चीनी सत्र 2022-23 अक्टूबर-सितंबर के लिए लागू होगा। उपभोक्ता मंत्रालय ने बताया कि एफआरपी में 10.25 फीसदी से अधिक की वसूली में प्रत्येक 0.1 फीसद की वृद्धि के लिए 3.05 रुपए प्रति क्विंटल का प्रीमियम भी दिया जाएगा, जबकि वसूली में प्रत्येक 0.1 फीसदी की कमी आने पर एफआरपी 3.05 रुपए घटा दी जाएगी। चीनी मिलों के मामले में वसूली दर 9.5 फीसदी से कम रहने पर कोई कटौती नहीं की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि एफआरपी में बढ़ोतरी के साथ गन्ना किसानों की आमदनी बढ़कर लगभग दोगुनी हो जाएगी। चीनी सत्र 2022-23 में गन्ना उत्पादन पर प्रति क्विंटल 162 रुपए का खर्चा आने का अनुमान है, जबकि किसानों को प्रति क्विंटल 305 रुपए दिए जाएंगे, जो उनकी उत्पादन लागत से 88 फीसदी ज्यादा है। मौजूदा चीनी सत्र में गन्ने की कीमत 290 रुपए प्रति क्विंटल है। मोदी सरकार ने पिछले आठ साल में गन्ने का गारंटी मूल्य 34 फीसदी बढ़ा दिया है। आने वाले चीनी सत्र में मिलों की ओर से करीब 3,600 लाख टन गन्ने की खरीद होने की संभावना है। ऐसे में अनुमान है कि अगले सत्र में किसानों को करीब 1.20 लाख करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा सरकार ने कहा है कि गन्ने का मूल्य बढ़ाने के साथ हम यह भी सुनिश्चित कर रहे हैं कि किसानों को उनका भुगतान समय पर दिया जाए। गन्ने का मूल्य

बढ़ाए जाने से सीधे तौर पर देश के 5 करोड़ किसानों को लाभ होगा। साथ ही चीनी मिलों में काम करने वाले 5 लाख कामगारों को भी इसका फायदा पहुंचेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि एथनॉल के उत्पादन में तेजी के साथ ही गन्ने की खरीद भी बढ़ रही है और इसका लाभ भी सीधे तौर पर किसानों को मिल रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत 5 रुपए तक हो सकती है कम

नई दिल्ली ।

जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव 96 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। जानकारों का मानना है कि इस भाव की ही वजह से पेट्रोल और डीजल की कीमत में भी 5 रुपए तक की गिरावट आ सकती है। वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे पहुंच गए हैं। ब्रेंट क्रूड ऑयल का भाव 96 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव 90 डॉलर प्रति बैरल है। लगभग 15 दिनों में डब्ल्यूटीआई के दाम में करीब 12 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल के दाम भी 5 दिनों में 15 डॉलर प्रति बैरल से भी ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। जानकारों के अनुसार ओपेक के ऑयल प्रोडक्शन बढ़ाने के बयान के बाद यह गिरावट दर्ज की गई है। जिस तरह से क्रूड ऑयल के दाम गिर रहे हैं, उससे आने वाले दिनों में भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम में गिरावट दर्ज की जा सकती है। दो महीनों में पेट्रोल और डीजल 5 रुपये तक सस्ता हो सकता है।

लियोनी ने पुरानी बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज़ को किया अपग्रेड

-एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उन्हें फिर से स्पॉट किया गया

नई दिल्ली ।

मशहूर एक्ट्रेस सनी लियोनी ने अपनी पुरानी बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज़ को न्यू जेनेरेशन 7-सीरीज़ 740 ली से अपग्रेड किया है।उन्हें इस कार के साथ स्पॉट किया गया था और हाल ही में एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उन्हें फिर से स्पॉट किया गया.बीएमडब्ल्यू इंडिया ने पिछले साल नई 7-सीरीज को भारतीय बाजार में पेश किया था। यह लग्जरी सेडान 3.0-लीटर वी6 टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है।6-सिलेंडर इंजन अधिकतम 340 पीएस की पावर और 450 एनएम का पीक टॉर्क जेनरेट करता है।यह 8-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आता है।यह 0-100 किमी/घंटे मात्र 5.6 सेकेंड में पकड़ लेती है।बीएमडब्ल्यू 7-सीरीज 740 ली की एक्स-शोरूम कीमत 1.5 करोड़ रुपये है.नई 7-सीरीज को स्थानीय रूप से ब्रांड के चेन्नई प्लांट में असेंबल किया गया है।यह शानदार सेडान मोचा और ब्लैक कॉम्बिनेशन के साथ नप्पा लेदर अपहोल्स्ट्री प्रदान करती है।उनके पास यूएसए में एक लिमिटेड-एडिशन मासेराती गिब्ली नेरीसीमो है और उन्होंने कुछ साल पहले खुद को कार गिफ्ट की थी। अभिनेत्री के पास भारत में एक

बीएमडब्ल्यू 730 एलडी थी, जिसे उनके पति डेनियल वेबर ने उन्हें गिफ्ट में दिया था।वह कहती हैं कि उन्हें कारें बहुत पसंद हैं।कार के अन्य लक्ज़री टच में आइवरी व्हाइट और कैनबरा बेज में फाइन-वुड ट्रिम और लकड़ी के इनले के साथ एक अल्कांतारा हेडलाइनर शामिल है।क्वाड-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल सिस्टम, जेस्चर कंट्रोल, मोबाइल डिवाइस के लिए वायरलेस चार्जिंग, इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल सीट्स, मसाज फंक्शन और एक्टिव सीट वेंटिलेशन सहित कई लग्जरी फीचर्स हैं।

उबर ने जोमैटो में अपनी 7.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

मुंबई । ऑनलाइन कैब सेवा कंपनी उबर ने जोमैटो में अपनी 7.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची दी है। खुले बाजार में किए गए इस सौदे में उबर ने खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन डिलिवरी करने वाले प्लेटफॉर्म जोमैटो में 61.2 करोड़ शेयरों को 3,088 करोड़ रुपए में बेचा है। जौमैटो के शेयरों की गिरावट पिछले काफी समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। फिलहाल पिछले तीन चार सत्र से इसमें तेजी देखने को मिल रही है। बुधवार को जौमैटो के शेयर एनएसई पर 55.45 रुपए के भाव पर बंद हुए। इसके पहले इस फूड डिलीवरी कंपनी के शेयर ऑल टाइम लो 40 रुपए पर पहुंच गए थे। अपने हाई से इसमें लगभग 75 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में जोमैटो का मुनाफा घटकर 185.7 करोड़ रुपए रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का घाटा 356.2 करोड़ रुपए था।

वहीं मार्च 2022 तिमाही में जोमैटो को 359.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में कंपनी की ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू बढ़कर 6,430 करोड़ रुपए रही है।

अमेजन ने सामान डिलिवरी के लिए भारतीय रेलवे से किया समझौता

नई दिल्ली ।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडिया ने 110 से अधिक इंटरसिटी मार्ग पर ग्राहकों तक अपने सामान की डिलिवरी के लिए भारतीय रेलवे से करार किया है। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को एक से दो दिन के भीतर उनके सामान की डिलिवरी सुनिश्चित करने के लिए उसने यह समझौता किया है। अमेजन ने कहा कि कंपनी 2019 में भारतीय रेलवे के साथ काम करना शुरू किया। कंपनी के लिए देश के भीतरी इलाकों में ग्राहकों को एक से दो दिन में डिलिवरी के वादे को पूरा करने में यह एक प्रमुख कारण है। अब वह रेलवे के साथ 110 से अधिक इंटरसिटी मार्ग पर काम कर रही है। बयान के अनुसार अमेजन इंडिया अब भारतीय रेलवे के साथ झारसुगुडा, रत्नागिरी, कुरनूल, नांदेड़, बरेली, बोकारो और रुद्रपुर जैसे शहरों और कस्बों में ग्राहकों को उनके सामान की डिलिवरी कर रही है। अमेज़ॅन के बयान में कहा गया है कि 2020 में महामारी की वजह से लगे लॉकडाउन के दौरान कंपनी ने कारोना पार्सल स्पेशल ट्रेनों के साथ मिलकर काम किया। उच्च प्राथमिकता वाले प्रोडक्ट की डिलीवरी के लिए भारतीय रेलवे के साथ काम किया। अब इस काम को और बढ़ाया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि हम अपने ग्राहकों को अमेज़ॅन में हम अपने ग्राहकों को तेज़, विश्वसनीय और सुरक्षित खरीदारी अनुभव देने पर फोकस कर रहे हैं। चाहें हमारे ग्राहक देश भर में कहीं भी रहते हों। भारतीय रेलवे के साथ काम करने से हमें नागरकोइल, कटरा, पोरबंदर, झांसी, और ग्वालियर जैसे शहरों में ग्राहकों को तेजी से प्रोडक्ट डिलीवर कर सकेंगे।

आग लगाने की घटनाओं के बावजूद देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में जबर्दस्त बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली ।

भारत में पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों का असर वाहनों की बिक्री पर देखने को मिल रहा है। परंपरागत ईंधन का विकल्प इलेक्ट्रिक वाहन के रूप में सामने आने के बाद पिछले कुछ दिनों में देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग में जबर्दस्त बढ़ोत्तरी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में ईवी की बिक्री के ये आंकड़े सीईईडब्ल्यू-सेंटर फॉर एनर्जी फाइनेंस (सीईईडब्ल्यू-सीईएफ) मार्केट हैंडबुक के जारी नए संस्करण में सामने आए हैं, जो चौंकाने वाले हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री के मामले में, मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ईवी की बिक्री, पिछले वित्त वर्ष में कुल बिके ईवी के लगभग आधे हिस्से तक पहुंच गई। दोपहिया और तिपहिया (ई-रिक्शा सहित) वाहनों की कुल बिक्री में, बैटरीचालित दोपहिया वाहनों का हिस्सा 3.7 फीसदी और तिपहिया वाहनों का हिस्सा 54.9 प्रतिशत रहा। इस तिमाही में ईवी की सुरक्षा के बारे में बढ़ती चिंताओं के बीच, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने उपभोक्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईवी बैटरी के प्रदर्शन मानकों को जारी किया है। इसके अलावा, नीति आयोग ने अग्रिम लागत घटाने और कम जगह में ईवी चार्जिंग के लिए बैटरी स्वैपिंग पॉलिसी का मसौदा जारी किया। इन उपायों से ग्राहकों को सभी श्रेणी में ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। रिपोर्ट बताती हैं कि आग लगने की विभिन्न घटनाओं के बावजूद, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पिछले वर्ष की सामान तिमाही की तुलना में 636 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख यूनिट से थोड़ा ऊपर पहुंच गई। ईवी की बिक्री में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

इस तिमाही में बिक्री होने वाले कुल नए वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर 4.35 प्रतिश हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में एक प्रतिशत से भी कम थी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तेजस्विन को राष्ट्रमण्डल खेलों की ऊंची कूद में स्वर्ण

बर्मिंघम ।

भारत के तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रमंडल खेलों की ऊंची कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। तेजस्विन ने इस स्पर्धा में 2.22 मीटर की छलांग लगाई। राष्ट्रीय चैम्पियन तेजस्विन का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 और सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 2.29 मीटर है। वहीं न्यूजीलैंड के हामिश केर को स्वर्ण जबकि ऑस्ट्रेलिया के ब्रेंडन स्टार्क को रजत पदक मिला है। दोनों ने ही 2.25 मीटर की छलांग लगाई थी।

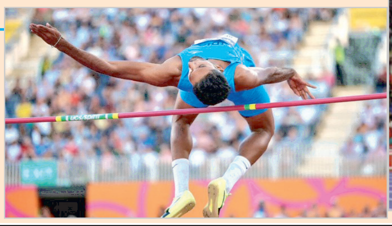

शतरंज ओलिम्पियाड छठवाँ दिन जॉर्जिया पर धमाकेदार जीत के साथ महिला वर्ग में भारत नें बनाई एकल बढ़त

मामल्लापुरम,(एजेंसी)

(निकलेश जैन) 44वें शतरंज ओलिम्पियाड में छठवाँ दिन भारत की प्रमुख महिला टीम के नाम रहा और उन्होने खिताब की प्रबल दावेदार और चार बार की ओलंपियाड विजेता जॉर्जिया को पराजित करते हुए ना सिर्फ पदक की ओर आरके और मजबूत कदम बढ़ाया पर साथ लगातार छठी जीत के साथ एकल बढ़त भी कायम कर ली है । आज टीम को जीत का रास्ता दिखाया भारत की सफलतम महिला खिलाड़ी कोनेरु हम्पी नें और उन्होने पहले बोर्ड जॉर्जिया टीम की सबसे बड़ी खिलाड़ी नाना दगनिडजे को सफ़ेद मोहरो से बेनोनी ओपनिंग मे पराजित किया , तीसरे बोर्ड पर वैशाली आर नें अनुभवी लेला जवाखिश्विली को पराजित किया जबकि दूसरे बोर्ड पर हरिका द्रोणावल्ली नें नीनों बतसियशविली से तो चौंथे बोर्ड पर तानिया सचदेव नें सलोमे मेलिया से ड्रॉ खेलते हुए टीम को 3-1 से एकतरफा जीत दिला दी । महिला वर्ग मे रोमानिया नें आज उक्रेन को ड्रॉ पर रोका तो अजरबैजान नें कजाकिस्तान को 3-1 से पराजित किया और अब जहां भारत 12 अंको पर है तो रोमानिया और अजरबैजान 11 अंक तो उक्रेन 10 अंको पर खेल रहा है , भारत की महिला बी टीम नें चेक गणराज्य से ड्रॉ खेला तो सी टीम नें औस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया ।

पुरुष वर्ग में हरीकृष्णा और गुकेश जीते पर भारत जीत से चूका

पुरुष वर्ग में आज पहले टेबल पर भारत की टीम बी नें अर्मेनिया के खिलाफ बेहतरीन खेल दिखाया पर जीत के करीब जाकर टीम को हार का सामना करना पड़ा । पहले बोर्ड पर भारत के डी गुकेश नें प्रतियोगिता में अपनी छठी जीत हासिल की और उन्होने सर्गिसियन गेब्रियल को मात दी और टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी और दूसरे बोर्ड पर निहाल नें हरांत मेलकुमयान से ड्रॉ खेलकर 1.5-0.5 से टीम को आगे कर दिया पर तीसरे बोर्ड अधिबन भास्करन समवेल सहकायन से तो चौंथे बोर्ड पर रौनक साधवानी रोबर्ट होवहनीसयन से पराजित हो गए और टीम 2.5-1.5 से मुक़ाबला जीता । पुरुष की ए टीम को भी आज पेंटाला हरीकृष्णा नें उज्बेकिस्तान के खिलाफ पहले बोर्ड पर विश्व रैपिड चैम्पियन अब्दुसत्तारोव नोदिरबेक को मात देकर भारत को 1-0 से आगे कर दिया पर बाद में विदित गुजराती और अर्जुन एरिगासी का मैच ड्रॉ रहा जबकि कृष्णन शशिकिरण की हार के चलते 2-2 से भारत को ड्रॉ खेलने को विवश होना पड़ा । भारत की सी टीम नें आज जरूर लिथुयनिया को 3.5-0.5 से हराकर बहुत बड़ी जीत हासिल की । परूष वर्ग में अब अर्मेनिया पहले ,यूएसए दूसरे और भारत बी तीसरे स्थान पर चल रही है

राष्ट्रमंडल खेल : पीवी सिंधू महिला एकल के प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम : (एजेंसी)

शीर्ष भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने गुरूवार को यहां आसान जीत से राष्ट्रमंडल खेलों की महिला एकल स्पर्धा के प्री क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने राउंड 32 के मुकाबले में मालदीव की फातिमा नबाहा अब्दुल रज्जाक को महज 21 मिनट में 21-4, 21-11 से हरा दिया। एकल में पिछले चरण की रजत पदक विजेता सिंधू को मुकाबले में जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा जबकि फातिमा को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। पहले गेम में सिंधू ने आक्रामकता बरते बिना ही मालदीव की प्रतिद्वंद्वी को पस्त कर दिया जिसमें उन्होंने अंक जुटाने के लिए ड्राप शॉट्स का इस्तेमाल किया। दूसरे गेम में फातिमा ने शुरू में थोड़ी चुनौती पेश की और वह सिंधू के साथ 9-9 की बराबरी पर थी क्योंकि भारतीय खिलाड़ी ने सहज गलतियों से अंक दे दिए थे। लेकिन फिर सिंधू ने ब्रेक तक 11-9 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने आराम से अंक जुटाकर अंतिम 16 में जगह बनाई जबकि प्रतिद्वंद्वी केवल दो अंक ही बना सकी।

राष्ट्रमंडल खेल : स्क्वाश में घोषाल को कांस्य पदक, सुनयना ने प्लेट फाइनल जीता

बर्मिंघम : (एजेंसी)

भारत के सौरव घोषाल ने पुरुष एकल स्क्वाश के कांस्य पदक के एकतरफा मुकाबले में बुधवार को यहां इंग्लैंड के दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी जेम्स विल्सट्रॉप को सीधे गेम में 3-0 से हरा दिया। दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी घोषाल ने मेजबान देश के दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी के खिलाफ 11-6, 11-1, 11-4 से आसान जीत दर्ज की। राष्ट्रमंडल खेलों में स्क्वाश एकल स्पर्धा में भारत का यह पहला पदक है। घोषाल का राष्ट्रमंडल खेलों में यह दूसरा पदक है। उन्होंने 2018 में गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में दीपिका पल्लीकल के साथ मिलकर मिश्रित युगल का रजत पदक जीता था। घोषाल ने विल्सट्रॉप के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाया और इंग्लैंड के खिलाड़ी के पास उनके खेल का कोई जवाब नहीं था। विल्सट्रॉप ने पहले गेम में घोषाल को टक्कर देने की कोशिश की लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने उन्हें अंक बनाने के अधिक मौके नहीं दिए। दूसरे गेम में तो विल्सट्रॉप की भूमिका सिर्फ एक दर्शक जैसी रही और मेजबान देश का खिलाड़ी पूरे गेम में सिर्फ एक ही अंक जुटा पाया। तीसरे गेम में भी स्थिति में अधिक बदलाव देखने को नहीं मिला और घोषाल ने दबदबा कायम रखते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। पूर्व राष्ट्रीय कोच और मौजूदा टीम के मैनेजर साइरस पोंचा ने कहा, 'पहला गेम 18 मिनट चला और कड़ा मुकाबला देखने को मिला। घोषाल कम उम्र का होने के कारण दोनों खिलाड़ियों के बीच अधिक ताकतवर था।

पूजा ओझा ने रचा इतिहास, कैनो स्प्रिंट वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत को दिलाया पहला पदक

(एजेंसी)

भारत की पूजा ओझा ने कनाडा के हैलिफैक्स में 2022 ICF कैनो स्प्रिंट वर्ल्ड चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। पैरा-कैनो विश्व चैंपियनशिप में भारत के लिए यह पहला पदक है। वीएल1 महिला 200 मीटर फाइनल में मध्य प्रदेश के भिंड की पैरा-कैनो एथलीट ने 1:34.18 के समय के साथ दूसरे स्थान हासिल किया। हैम्बर्ग की लिलेमोर कोपर ने 1:29.79 के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। दौड़ के पहले हाफ के बाद पूजा ओझा आगे थीं, लेकिन फिर लिलेमोर कोपर ने पूजा को पीछे छोड़ते हुए अंत में जीत हासिल की। इस दौड़ में दूसरा स्थान फिनिश लाइन तक कड़ी मेहनत से लड़ा गया था। पूजा ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में छह बार स्वर्ण पदक जीता है और विश्व के लिए क्वालीफाई करने वाली भारत की पहली महिला हैं।

वह पिछले साल पैरा ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग चैंपियनशिप में छठे स्थान पर थीं और वर्तमान में दुनिया के शीर्ष पैरा कैनो खिलाड़ियों में नौवें स्थान पर हैं। इस प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई करने वाले दूसरे भारतीय सुरेंद्र कुमार ने वीएल1 पुरुष 200 मीटर में 1: 22.97 के समय के साथ 5/8 का स्थान हासिल किया। शुरुआती क्लास Vl 1 में, एथलीट केवल पैडलिंग के लिए अपने हाथों और कंधों का उपयोग कर सकते हैं। पैराकेनो दौड़ 200 मीटर स्प्रिंट दूरी तक होती है।

संक्षिप्त समाचार

गोल्ड जीतकर पाक वेटलिफ्टर बट बोले- मीराबाई चानू हैं प्रेरणास्रोत, उनसे बधाई मिलना गर्व का क्षण

बर्मिंघम : जैसे ही भारोत्तोलक नूह दस्तगीर बट ने पाकिस्तान के लिए यहां 2022 राष्ट्रमंडल खेलों का पहला पदक जीता तो सबसे पहले उन्हें बधाई देने के लिए हाथ किसी और का नहीं बल्कि - भारतीय सुपरस्टार मीराबाई चानू का आगे आया। ओलंपिक पदक जीतकर चानू 'सुपरस्टार' की श्रेणी में शामिल हो गई हैं और वह सिर्फ भारत की ही नहीं बल्कि पड़ोसी देशों के भारोत्तोलकों के लिए भी 'आइकन' बन चुकी हैं। बट ने पुरूषों के 109 से ज्यादा किग्रा वर्ग में रिकॉर्ड 405 किग्रा का वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता और इसके बाद उन्होंने 'कहा, 'जब उन्होंने (चानू ने) मुझे बधाई दी और मेरे प्रदर्शन की तारीफ की तो वह मेरे लिए गर्व का क्षण था।' पाकिस्तान के इस 24 साल के भारोत्तोलक ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्नैच में 173 किग्रा, क्लीन एवं जर्क में 232 किग्रा और कुल वजन में 405 किग्रा से, सभी में तीनों रिकॉर्ड तोड़ दिए। बट ने कहा, 'हम प्रेरणास्रोत के तौर पर मीराबाई की ओर देखते हैं। उन्होंने हमें दिखाया कि हम दक्षिण एशियाई देशों के खिलाड़ी भी ओलंपिक पदक जीत सकते हैं। जब उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था तो हम सभी को उन पर काफी फक्र हुआ।' भारत के लिए गुरदीप सिंह ने भी इसी वर्ग में कांस्य पदक जीता था और बट उन्हें अपना करीबी मित्र मानते हैं। बट ने कहा, 'हम पिछले सात-आठ वर्षों से बहुत अच्छे दोस्त हैं। हम कई बार विदेशों में एक साथ ट्रेनिंग करते हैं। हम हमेशा संपर्क में रहते हैं।' उनके लिए यह 'भारत-पाक' मुकाबला नहीं था बल्कि खुद का सर्वश्रेष्ठ करने की व्यक्तिगत चुनौती थी।

टी-20 में 2000 रन बना रोहित शर्मा के खास क्लब में शामिल हुईं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिताबी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के नाम एक और कीर्तिमान दर्ज हो गया है। स्मृति बतौर सलामी बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में 2000 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। वहीं बात पुरुषों और महिला क्रिकेट की करें तो मंधाना से पहले यह कारनामा सिर्फ भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने किया था। रोहित शर्मा के नाम क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में बतौर सलामी बल्लेबाज 2973 रन दर्ज हैं। इन दोनों के अलावा कोई भी भारतीय सलामी बल्लेबाज टी20 इंटरनेशनल में 2000 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाया है। मंधाना ने बारबाडोस के खिलाफ बुधवार रात हुए मुकाबले में ज्यादा कुछ कमाल नहीं दिखाया। वह मात्र 5 रन बनाकर ही आउट हो गईं, मगर इन रनों के दम पर उन्होंने टी20 में बतौर सलामी बल्लेबाज 2000 रन पूरे किए। मंधाना के नाम अब ओपनिंग करते हुए 80 मैचों में 27.45 की औसत से 2004 रन दर्ज हैं, वहीं उनके टी20 करियर की बात करें तो 90 मैचों में इस खिलाड़ी ने 26.23 की औसत से 2125 रन बनाए हैं। बात भारत बनाम बारबाडोस मुकाबले की करें तो भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के अपने तीसरे मुकाबले में बारबाडोस की टीम को 100 रन से करारी मात दी।

हार्दिक पांड्या को प्रमोशन देने की तैयारी, केएल राहुल की जगह उपकप्तान बनेंगे

(एजेंसी)

पीठ की चोट के कारण लंबे समय तक टीम इंडिया से बाहर रहे हार्दिक पांड्या पर किस्मत मेहरबान हो रही है। फिट होने के बाद टीम इंडिया में लौटे हार्दिक जबरदस्त फॉर्म में दिख रहे हैं। इसी कारण बीसीसीआई ने उनपर भरोसा जताते हुए उन्हें आगामी सीरीज के लिए केएल राहुल की जगह उपकप्तान बनाने का फैसला किया है। राहुल का बतौर कप्तान अभी तक प्रदर्शन इतना अच्छा नहीं रहा है इसलिए मैनेजमैंट टी-20 विश्व कप से ठीक पहले बड़ा फैसला लेने के मूड में दिख रही है। टी-20 विश्व कप के लिए अनुमानित 15 सितंबर को टीम की घोषणा की जाएगी, इसमें हार्दिक पांड्या को टी 20 विश्व कप के लिए उप-कप्तान बनाया जाएगा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी क कहना है कि हार्दिक विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। वह अब फिट हैं। उन्हें उपकप्तान बनाया जाएगा या नहीं यह चयनकर्ताओं पर निर्भर है। लेकिन वह पहले से ही समूह में एक नेता है। एक ऑलराउंडर के तौर पर वह दोनों स्थितियों को समझते हैं। उनके पास नेतृत्व कौशल है जोकि हमने आईपीएल में बाखूबी देखा।

इसलिए हार्दिक पर बढ़ गया भरोसा

- हार्दिक ने आईपीएल में वापसी कर 15 मैचों में 487 रन बनाए।
- आईपीएल फाइनल में गेंदबाजी करते 3 विकेट चटकाए, टीम को टाइटल दिलाया।
- टीम इंडिया में खेलते हुए 12 मैचों में 31 की औसत से 253 रन बना चुके हैं।
- केएल राहुल चोट के कारण बाहर हैं इसलिए साऊथ अफ्रीका सीरीज में वह उपकप्तान रहे।
- आयरलैंड में अपनी कप्तानी में 2 टी-20 मैचों की सीरीज जीती।

बीसीसीआई अधिकारी की दो-टूक

ऑलराउंडर होने के नाते अपने वर्कलोड को मैनेज करना महत्वपूर्ण है। हमारे पास बहुत सारे टी-20 और एकदिवसीय मैच हैं और एक ऑलराउंडर के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना संभव नहीं होगा। हार्दिक अब सफेद गेंद के प्रारूपों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

जहां तक टेस्ट की बात है तो हमारे पास ऑलराउंडर स्लॉट के लिए जडेजा और शार्दुल हैं जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। एक बार जब दीपक चोट से वापस आ जाएंगे तो उन्हें टेस्ट टीम में रखा जाएगा।

मुझे हरमन या स्मृति बनने की जरूरत नहीं, जेमिमा बनकर खुश हूं : जेमिमा रोड्रिग्स

बर्मिंघम ।

जेमिमा रोड्रिग्स अपने मजबूत पक्षों को अच्छी तरह से समझती हैं और कप्तान हरमनप्रीत कौर या स्मृति मंधाना जैसी 'पावर हिटर' बनने के लिए उन्हें अपने नैसर्गिक खेल में बदलाव करने की जरूरत नहीं लगती है। जेमिमा ने बारबाडोस के खिलाफ भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस 21 वर्षीय खिलाड़ी के 46 गेंदों पर नाबाद 56 रन की मदद से भारत ने बारबाडोस को 100 रन से हराकर राष्ट्रमंडल खेलों की क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई। जेमिमा ने मैच के बाद कहा, 'स्मृति (मंधाना) ने 2019 में आईपीएल (महिला टी20 चैलेंज) के दौरान कहा था कि हरमनप्रीत कौर या स्मृति मंधाना बनने की कोशिश मत करना तुम जेमिमा रोड्रिग्स हो। मुझे लगता है कि मैंने वह भूमिका समझी और इससे मुझे काफी मदद मिल रही है।' लोग उनके खेल के बारे में क्या सोचते हैं जेमिमा के लिए यह खास मायने नहीं रखता। उन्होंने कहा, 'टीम ने मुझे एक भूमिका सौंपी है। अगर मैं वह भूमिका निभा सकती हूं तो फिर यह मायने नहीं रखता के लोग इस बारे में क्या सोचते हैं। यदि इससे टीम को फायदा होता है तो फिर हमारे पास शेफाली, स्मृति और हरमन है और इसलिए मैं केवल वह भूमिका सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाना चाहती हूं जो मैं टीम के लिए निभा सकती हूं।' जेमिमा ने स्वीकार किया कि वह 'पावर हिटर' नहीं है लेकिन खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अधिक योगदान देने के लिए इस विशेष कौशल पर ध्यान दे रही हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित तौर पर मैं अपने पावर गेम पर काम कर रही हूं लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि मैंने अपने खेल को समझ लिया है। मैं पावर हिटर नहीं हूं लेकिन मैं एक या दो रन लेने के लिए अच्छी तरह से शॉट खेल सकती हूं। मैं जानती हूं कि रन कैसे बनाने हैं। मुझे लगता है यह मेरा मजबूत पक्ष है।' जेमिमा को विश्वास है की पर्याप्त संख्या में छक्के नहीं लगाने के बावजूद वह अपना स्ट्राइक रेट अच्छा बना कर रख सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा खेल बहुत आकर्षक नहीं है लेकिन इसके बिना भी मैं अच्छा स्ट्राइक रेट कायम रख सकती हूं। इसलिए मुझे अहसास हुआ कि मुझे किसी का अनुकरण करने की जरूरत नहीं है। मुझे रन बनाने के लिए जेमिमा रोड्रिग्स ही बनना होगा। इससे मुझे मदद मिली।'

राष्ट्रमंडल खेल : हिमा अपनी हीट जीतकर 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम : भारत की स्टार स्प्रिंटर हिमा दास यहां राष्ट्रमंडल खेलों की 200 मीटर स्पर्धा में अपनी हीट में 23.42 सेकेंड का समय निकालकर पहले स्थान पर रहीं जिससे उन्होंने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हिमा (22 वर्ष) पांच महिला धाविकाओं की हीट में शुरू से ही सबसे आगे रहीं जिसमें जाम्बिया की रोडा नजोबवु 23.85 सेकेंड से दूसरे स्थान पर जबकि युगांडा की जासेंट नयामहुंगे 24.07 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहीं। महिलाओं की 200 मीटर रेस में छह हीट से शीर्ष 16 सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। हिमा ने हीट 2 जीती लेकिन हीट 1 में नाईजीरिया की फेवर ओफिली (22.71 सेकेंड) और हीट 5 में इलेन थॉम्पसन हेरा (22.80 सेकेंड) ने उनसे काफी बेहतर समय निकाला। हिमा की तुलना में कम से कम छह खिलाड़ियों ने बेहतर समय निकाला जो सेमीफाइनल में पहुंची।

अनफिट बोलकर कर दिया था बाहर, 30 किलो वजन घटाकर टीम में बनाई जगह और जीता सिल्वर

बर्मिंघम ।(एजेंसी)

जुडोका तूलिका मान के अनुसार वह अभी पूरी तरह फिट नहीं है लेकिन अब वह राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता है और इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने बर्मिंघम 2022 की टीम में जगह बनाने के लिए 30 किलो वजन कम किया था। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए एक साल पहले जिन खिलाड़ियों की सूची तैयार की गई थी उनमें तूलिका का नाम नहीं था क्योंकि वह अनफिट थी। बर्मिंघम खेलों में मुकाबला बहुत कड़ा नहीं था जैसा कि एशियाई खेलों में हो सकता है जो कि उनका अगला लक्ष्य है लेकिन लगभग छह फीट लंबी इस खिलाड़ी ने 78 किग्रा में भाग लेने के लिए अपनी फिटनेस पर काफी काम किया। जूडो के कोच जीवन शर्मा ने कहा, 'एक साल पहले जब संभावित खिलाड़ियों का चयन किया गया तो तूलिका उनमें शामिल नहीं थी। उसका वजन तब 115 किलो था लेकिन उसने उसे घटाकर 85 किलो किया। अभी उसका वजन 89-90 किलो है। उन्होंने कहा, 'जूडो में अभी काफी काम करने की जरूरत है क्योंकि एशियाई स्तर पर मुकाबला राष्ट्रमंडल खेलों की तुलना में अधिक कड़ा है। तूलिका भारतीय खेल प्राधिकरण के भोपाल केंद्र में कोच यशपाल सोलंकी से प्रशिक्षण लेती है और उन्होंने बुधवार को पदक समारोह में अपना रजत अपने कोच और मां को समर्पित किया था जो दिल्ली पुलिस में कार्यरत हैं। जब वह दो साल की थी तब उनके पिता का निधन हो गया था। तूलिका ने कहा, 'मैं यहां रजत पदक के लिए नहीं आई थी। कौन जानता है कि जब मैं अगली बार राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लूंगी तो क्या होगा। मुझे पदक का रंग बदलना होगा। मैं अपने इस प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, 'मैंने आक्रामक रवैया न अपनाकर दो फाउल किए और फिर मैं उनका बचाव करने में लग गई जो कि सही नहीं रहा। तूलिका फाइनल में स्कॉटलैंड की सारा एडलिंगटन से हार गई थी। तूलिका ने उन परेशानियों का जिक्र भी किया जो उन्होंने भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए झेली थी। उन्होंने कहा,

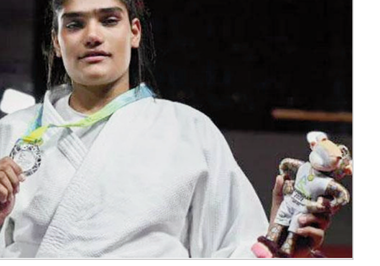

'टीम में जगह बनाने के लिए मुझे काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा लेकिन तब भारतीय खेल प्राधिकरण ने हस्तक्षेप किया। अगर मुझे अभ्यास शिविर में अधिक अभ्यास का मौका मिलता तो परिणाम इससे बेहतर होता।

राष्ट्रमंडल खेल : भारत ने बारबाडोस को 100 रन से हराकर सेमीफाइनल में रखा कदम

बर्मिंघम : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में बारबाडोस को 100 रन के विशाल अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने बुधवार को खेले गये ग्रुप-ए के आखिरी मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 163 रन बनाये थे, जिसके जवाब में बारबाडोस 62 रन ही बना सकी। बारबाडोस ने टॉस जीत कर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (5) को जल्दी पवेलियन लौटाया, लेकिन इसके बाद कुछ भी उनके पक्ष में नहीं गया। शफाली वर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों पर सात चौके और एक छक्का लगाकर 43 रन बनाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर (0) और विकेटकीपर तानिया भाटिया (6) महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सकीं, मगर जेमिमा रोड्रिगेज़ और दीप्ती शर्मा ने 70 रन की नाबाद साझेदारी कर भारत को 162/4 के स्कोर तक पहुंचाया। रोड्रिगेज़ ने छह चौकों और एक छक्के की बदौलत सर्वाधिक 56 (46) रन बनाये, जबकि शर्मा ने 28 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन की पारी खेली। बारबाडोस 162 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी मुकाबले में नहीं थी। रेणुका सिंह ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए पावरप्ले में ही विपक्षी टीम के चार बल्लेबाजों को पवेलियन लौटा दिया। रेणुका ने अपने चार ओवर में 2.5 की औसत से मात्र 10 रन देकर चार विकेट लिए। बारबाडोस की ओर से किशोना नाइट ने सर्वाधिक 16 रन बनाए जबकि शाकिरा सलमान ने 12 रन की पारी खेली। इनके अलावा कैरिबियाई टीम का कोई खिलाड़ी 10 रन के आंकड़े को भी नहीं छू सका। रेणुका के अलावा भारत की ओर से मेघना सिंह, स्नेह राणा, राधा यादव और हरमनप्रीत ने एक-एक विकेट लिया।

जानलेवा है हेपेटाइटिस

हेपेटाइटिस जानलेवा बीमारी है। जिसमें हेपटाइटिस बी लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला मर्ज है। हर साल 28 जुलाई को वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है। वर्ल्ड हेपटाइटिस डे, इस बीमारी के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। हेपेटाइटिस के कारण लिवर में सूजन आ जाती है। हेपटाइटिस संक्रामक बीमारियों का एक समूह है जिसे हेपटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई के रूप में जाना जाता है। इसलिए इस बीमारी से बचने के लिए सावधानी की बहुत आवश्यकता होती है।

भारत में फैलने का प्रमुख कारण

भारत में हेपटाइटिस फैलने का प्रमुख कारण मां से बच्चे में वायरस का संचारित होना है। इसके अलावा असुरक्षित रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थ के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना
भूख न लगना
उल्टी आना
बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे

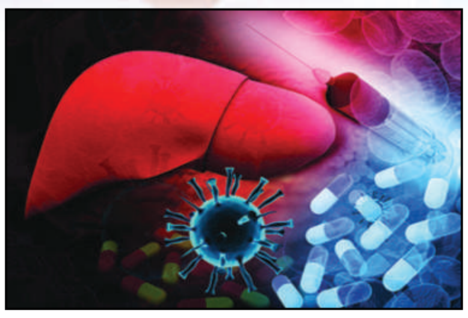

ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है।
हेपटाइटिस, मॉनसून के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।
पॉलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कॉहॉल से दूरी बनानी चाहिए
शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।

हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगती है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी-कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतृप्त और ट्रांस फैटी ऐसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा

पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतृप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से धमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड फ्लो में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड फ्लो के इस प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एग्जिमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों को पनपने का मौका देती है।

बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फैट की अधिकता और विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फैट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैंक्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल काउंट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैन्क्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लास्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैंक्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल-यंग पार्क ने बताया, 'पैन्क्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टर्स में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नैशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैन्क्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नैशनल कोहार्ट डेटाबेस का उपयोग करके बल्ड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे-जैसे बल्ड शुगर लेवल बढ़ता है, पैन्क्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ-साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज ठीक हो चुका था और जिनका बल्ड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैन्क्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'

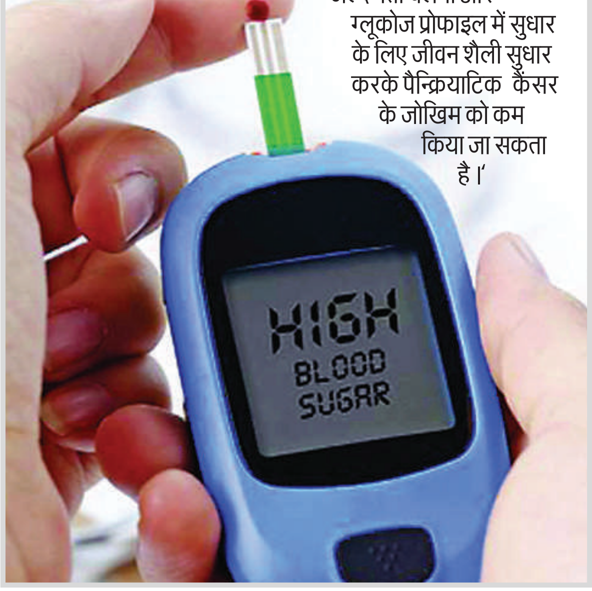

कब्ज, ऐसिडिटी दूर करती है सौंफ

आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्य होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बिमारी से बचना चाहते है तो आप सिर्फ सौंप का सेवन करें।

आज हम आपको सौंप के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते है।

कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटैशियम और 19 फीसदी मैग्नीज होता है। इसमें कैलरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है।

सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, ऐसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डीटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।

अजरबैजान और आर्मेनिया के बीच फिर बढ़ा विवाद, कब्जा का दावा, 3 सैनिकों की मौत

मास्को। रूस ने बुधवार को अजरबैजान पर विवादित नागोर्नो-कराबाख क्षेत्र में संघर्ष विराम तोड़ने का आरोप लगाया है। बता दें कि इस संघर्ष में तीन सैनिकों की मौत हो गई है। रूस ने 2020 में इस क्षेत्र में लड़ाई के छह सप्ताह में 6,500 से अधिक लोगों की जान गंवाने के बाद युद्धविराम समझौते में मदद की थी। रूस ने अज़रबैजानी और अर्मेनियाई प्रतिनिधियों के साथ स्थिति को स्थिर करने के लिए उपाय करने की कसम खाई थी। अज़रबैजान ने संघर्ष के लिए आर्मेनिया को दोषी ठहराया है। अज़रबैजान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कराबाख सैनिकों ने लाचिन जिले में एक हमले में अपने एक सैनिक को मार डाला। बाद में, अज़रबैजानी सेना ने दावा किया कि जवाबी कार्रवाई में, उसने इस क्षेत्र पर कब्जा कर लिया है हालांकि, गैर-मान्यता प्राप्त नागोर्नो-कराबाख गणराज्य की सेना ने अजरबैजान पर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया, जिसमें उसके दो सैनिकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए है। आर्मेनिया और अजरबैजान ने नागोर्नो-कराबाख के क्षेत्र में 2020 और 1990 के दशक में दो युद्ध लड़े। युद्धविराम की निगरानी के लिए रूस ने करीब 2,000 शांति सैनिकों को तैनात किया हुआ है। इस महीने की शुरुआत में, आर्मेनिया विवादित क्षेत्र से सभी सैनिकों को वापस लेने पर सहमत हुआ था।

अमेरिकी सांसद जैकी वालोर्स्की की कार दुर्घटना में मौत, जो बाइडेन ने जताया दुख

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना राज्य में एक सड़क दुर्घटना में रिपब्लिकन पार्टी की नेता एवं सांसद जैकी वालोरस्की और उनके दो कर्मचारियों की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। रिपब्लिकन पार्टी की नेता जैकी वालोरस्की अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में इंडियाना राज्य का प्रतिनिधित्व करती थीं। एल्खर्ट काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि यह दुर्घटना बुधवार अपराह्न करीब 12 बजकर 30 मिनट पर हुई, जब एक कार राज्य राजमार्ग पर अपनी लेन को पार कर गई और वालोरस्की की एसयूवी से टकरा गई। अधिकारियों के मुताबिक एसयूवी में वालोरस्की (58) के अलावा उनके दो कर्मचारी भी मौजूद थे। एसयूवी से टकराने वाली कार की महिला चालक की भी इस दुर्घटना में मौत हो गयी। वालोरस्की अमेरिकी कांग्रेस की कई समितियों की सदस्य भी रही हैं। वह पहली बार 2012 में इंडियाना राज्य से निर्वाचित हुई थीं। वालोरस्की के चीफ ऑफ स्टाफ टिम कमिंग्स ने एक बयान में कहा, 'वह अपने प्रभु ईसा मसीह के पास चली गयी हैं। कृपया उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं करें।

पाकिस्तान: लाहौर में 1200 साल पुराने वाल्मिकी मंदिर का किया जाएगा जीर्णोद्धार

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर शहर में 1200 पुराने हिंदू मंदिर को जीर्णोद्धार किया जाएगा। इस मंदिर पर अवैध कब्जा किया गया था जिसे खाली कराने के लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। मुल्क में अल्पसंख्यकों के पूजास्थलों की निगरानी करने वाली संघीय संस्था इवैक्यूई ट्रस्ट प्रोपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने लाहौर के मशहूर अनारकली बाजार के पास स्थित वाल्मिकी मंदिर का कब्जा पिछले महीने ईसाई परिवार से लिया था। लाहौर में कृष्ण मंदिर के अलावा वाल्मिकी मंदिर ही खुला रहता है। हिंदू धर्म अपना लेने का दावा करने वाला ईसाई परिवार पिछले दो दशकों से केवल वाल्मीकि जाति के हिंदुओं को मंदिर में पूजा करने दे रहा था। ईटीपीबी के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने बताया कि आने वाले दिनों में मास्टर प्लान के तहत वाल्मीकि मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। उन्होंने कहा, '100 से अधिक हिंदू, कुछ सिख और ईसाई नेता आज वाल्मीकि मंदिर में एकत्र हुए। हिंदुओं ने अपने धार्मिक अनुष्ठान किए और लंगर का आयोजन किया।

द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी नैंसी पेलोसी

सियोल । अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी को द.कोरिया के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर चर्चा करेंगी। इसके एक दिन पहले पेलोसी ने चीन के कड़े विरोध के बावजूद ताइवान की यात्रा की थी, जो इस स्वशासित द्वीप पर लोकतंत्र की रक्षा के लिए अमेरिका की ''अडिग'' प्रतिबद्धता को दिखाता है। पेलोसी कांग्रेस के अन्य सदस्यों के साथ दक्षिण कोरिया पहुंचीं। इससे पहले उन्होंने सिंगापुर, मलेशिया और ताइवान की यात्रा की। दक्षिण कोरिया के बाद वह जापान जाएंगी। पेलोसी दक्षिण कोरियाई नेशनल असेंबली के अध्यक्ष किम जिन प्यो तथा संसद के अन्य वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात करेंगी और क्षेत्रीय सुरक्षा, आर्थिक सहयोग तथा जलवायु संबंधी मुद्दों पर बातचीत करेंगी। किम के कार्यालय ने इसकी जानकारी दी। दक्षिण कोरिया के एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि पेलोसी की अंतर-कोरियाई सीमा क्षेत्र की यात्रा करने की भी योजना है, जिस पर अमेरिका नीत संयुक्त राष्ट्र कमान और उत्तर कोरिया का नियंत्रण है।

चीन में किंडरगार्टन स्कूल पर हमले का संदिग्ध गिरफ्तार

बीजिंग। चीन के जियांग्शी प्रांत के किंडरगार्टन स्कूल पर हमला करने के आरोप में पुलिस ने 47 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। हमले में तीन लोगों की मौत हो गई थी और छह अन्य घायल हो गए थे। पुलिस के मुताबिक लुई शियाओहुई को करीब 10 बजकर 50 मिनट पर गिरफ्तार किया गया। किंडरगार्टन स्कूल पर बुधवार सुबह हमला हुआ था। पुलिस ने इस हमले में मारे गए लोगों के बारे में जानकारी नहीं दी है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में कम से कम एक बच्चे की मौत हुई है। गौरतलब है कि बीते कुछ वर्षों में चीन में स्कूलों पर हमले की घटनाएं बढ़ने के बाद सरकार ने स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है।

कनाडा में बेसबाल के आकार की ओलावृष्टि, गाड़ियों के शीशे टूटे

अल्बर्टा । कनाडा में पिछले दिनों भारी ओलावृष्टि से 10 से 15 मिनट तक तूफान के साथ आए बवंडर के बीच बड़े-बड़े अंगूर और बेसबाल के आकार के ओले गिरे, जिससे लोग दहशत में आ गए। इस दौरान दर्जनों गाड़ियों के शीशे चकनाचूर हो गए। ओलावृष्टि के दौरान कई यात्री जहां थे, वहीं रास्ते में फंसे रह गए। लोग इतने बड़े-बड़े ओले देखकर दंग रह गए। लोगों ने इसकी तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा की है। मौसम विज्ञानियों ने इस घटना को लेकर चिंता जाहिर की है। जानकारी के मुताबिक कनाडा के एक पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा में आए एक बवंडर के बाद ऐसी ओलावृष्टि हुई, जिसने लोगों को हैरान कर दिया। रायल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) ने कहा कि तूफान करीब 10 से 15 मिनट तक चला और करीब 34 वाहनों को नुकसान पहुंचा। कई लोगों को मामूली चोटें भी आई हैं। उन्होंने बताया कि बवंडर आया और अचानक बेसबाल के आकार के ओले गिरने लगे। इतने बड़े-बड़े ओलों को देखकर लोग घबरा गए और कई गाड़ियां आपस में टकरा गईं। दरअसल, लोग इतने बड़े आकार के ओलों को देखकर दहशत में आ गए। लोगों समझ ही नहीं पाए कि आखिर ये हो क्या रहा है। कुछ लोगों को लगा कि कोई बड़े-बड़े पत्थर मार रहा है। लोगों को जब तक समझ आया कि क्या हो रहा है, तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

स्पेन में महिलाओं पर नुकीली सुई से हमले की घटनाएं बढ़ीं

बार्सिलोना । स्पेन में इन दिनों महिलाओं पर नुकीली सुई से हमले की घटनाएं बढ़ गई हैं। इसको लेकर महिलाओं में दहशत पैदा हो गई है। ऐसे हमले ज्यादातर भीड़-भाड़ वाली जगहों पर होते हैं। ब्रिटेन और फ्रांस में भी इसी तरह की घटनाएं हुई हैं। स्पेन की पुलिस भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर सिरिंज से जुड़े हमलों की जांच कर रही है। पिछले कुछ हफ्तों में इस तरह की घटनाओं पुलिस में को रिपोर्ट किया गया है। वहीं सोशल मीडिया पर भी कई लोग इस हमले के बारे में लिख रहे हैं। रिपोर्ट किए गए मामलों में आशंका जताई जा रही है कि हमलावर महिलाओं पर यौन हमला करने के लिए सीरिंज में नशीला पदार्थ मिला कर हमला कर रहा है। हालांकि, अब तक दवाओं या अन्य जहरीले उत्पादों के कोई निशान नहीं मिले हैं। इसके साथ ही सुई हमले के बाद किसी तरह की यौन हिंसा का मामला भी सामने नहीं आया है। पिछले कुछ हफ्तों में पुलिस ने केटालोनिया में 23 ऐसे मामले दर्ज किए हैं। ये मामले ज्यादातर पर्यटक शहर लोरेट डी मार और बार्सिलोना में और 12 बास्क देश में दर्ज किए गए हैं। बास्क पुलिस के मुताबिक हमलावर ज्यादातर यंग महिलाओं को टारगेट करते हैं। हमले का पैटर्न लगभग एक समान है। आमतौर पर एक युवा महिला जब पार्टी से बाहर जा रही होती हैं, तब उस पर यह हमला होता है। हमले में सुई हाथ या पैर में चुभती है और इसके प्रभाव से महिला को सिर में चक्कर आते हैं या फिर नींद आ जाती है।

नोमपेन्ह में आसियान देशों के विदेश मंत्री एकसाथ नजर आये।

नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा से गुस्साया चीन, ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी

बीजिंग । अमेरिकी स्पीकर नैन्सी पेलोसी की ताइवान यात्रा से चीन काफी गुस्से में है। चीनी सैनिकों ने ताइवान बॉर्डर पर जमकर मिसाइलें दागी हैं। सैन्य अभ्यास के दौरान ताइवान के आसपास पानी में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ताइपे के रक्षा मंत्रालय ने इस क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाली तर्कहीन कार्रवाई करार दिया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने गुरुवार की दोपहर लगभग 13:56 बजे पूर्वोत्तर और दक्षिण-पश्चिमी ताइवान के आसपास के क्षेत्रों में डोंगफेंग श्रृंखला की कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागी है।' चीनी ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा कि उसने नियोजित अभ्यास के तहत गुरुवार को ताइवान के पूर्वी तट के पानी पर पारंपरिक मिसाइलों की कई फायरिंग पूरी कर ली है। ईस्टर्न थिएटर कमांड के प्रवक्ता ने कहा कि गोलीबारी पूरी होने के बाद संबंधित समुद्री और हवाई क्षेत्र पर नियंत्रण हटा लिया गया है। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि कंबोडिया में आसियान कार्यक्रमों के इतर चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके जापानी समकक्ष के बीच एक बैठक रद्द कर दी गई है। एक नियमित मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने कहा कि ताइवान के बारे में सात देशों के समूह द्वारा दिए गए संयुक्त बयान से चीनी पक्ष बहुत नाराज है। आपको बता दें कि जापान सहित जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों ने बुधवार को चीन से ताइवान जलडमरूमध्य के आसपास तनाव को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का आह्वान किया था।

आतंकवाद पर विशेष बैठक में संरा सुरक्षा परिषद के सदस्यों की मेजबानी करेगा भारत

जिनेवा (एजेंसी)।

भारत आतंकवाद के खिलाफ 29 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत का अस्थायी सदस्य के रूप में दो साल का कार्यकाल इस साल दिसंबर में समाप्त होने वाला है। दिसंबर में देश संयुक्त राष्ट्र की इस शक्तिशाली निकाय की अध्यक्षता भी करेगा। भारत 2022 के लिए सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति की अध्यक्षता करेगा और आतंकवाद के खिलाफ अक्टूबर में अमेरिका, चीन और रूस सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 देशों के राजनयिकों की एक विशेष बैठक की मेजबानी करेगा। सुरक्षा परिषद के वर्तमान सदस्यों में अल्बानिया, ब्राजील, गैबॉन, घाना, भारत, आयरलैंड, केन्या, मैक्सिको, नॉर्वे और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ-साथ पांच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार ?कि नई और उभरती प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग से उत्पन्न खतरे को ध्यान में रखते हुए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवाद रोधी समिति (सीटीसी) ने इस विषय पर 29 अक्टूबर, 2022 को भारत में अपने कार्यकारी निदेशालय (सीटीईडी) के सहयोग से एक विशेष बैठक आयोजित करने का निर्णय किया है। नकारी के अनुसार विशेष बैठक में खासकर तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जहां उभरती हुई प्रौद्योगिकियां का तेजी से विकास हो रहा है। सदस्य देशों द्वारा इनके बढ़ते इस्तेमाल (सुरक्षा और आतंकवाद रोधी उद्देश्यों सहित) और आतंकवादी कृत्यों के लिए इसके इस्तेमाल के बढ़ते खतरे, अर्थात इंटरनेट तथा सोशल मीडिया, आतंकवाद के वित्त पोषण, और मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस) में इसके इस्तेमाल पर चर्चा की जाएगी।

जवाहिरी की मौत पर तालिबान ने तोड़ी चुप्पी, कहा-अफगानिस्तान में अल-कायदा सरगना की मौजूदगी से थे अनजान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

काबुल में अल-कायदा प्रमुख के अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने के बाद अपनी चुप्पी तोड़ते हुए तालिबान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसे अयमान अल-जवाहिरी की मौजूदगी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। जवाहिरी के मारे जाने के बाद तालिबान और पश्चिमी देशों के संबंधों में तनाव और बढ़ गया है। तालिबान के दोहा (कतर) स्थित राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख सुहैल शाहीन ने एपी को भेजे एक संदेश में कहा, ''सरकार और नेतृत्व को पता नहीं था, जैसा दावा किया जा रहा है।''

तालिबान का दावा और अमेरिकी बयान में विरोधाभास है क्योंकि अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि जवाहिरी तालिबान के वरिष्ठ नेता सिराजुद्दीन हक्कानी के एक शीर्ष सहयोगी के घर में रह रहा था। हक्कानी तालिबान के उप प्रमुख हैं और सरकार में आंतरिक मंत्री हैं। वह हक्कानी नेटवर्क के प्रमुख भी हैं। वर्ष 2020 के दोहा समझौते मेंतालिबान ने अमेरिका से वादा किया था कि वे अल-कायदा के सदस्यों या अमेरिका पर हमला करने की मंशा रखने वालों को पनाह नहीं देंगे। शाहीन ने कहा कि दावे की सत्यता का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। इस संबंध में नेतृत्व लगातार बैठकें कर रहा है। निष्कर्ष सभी के साथ साझा किए जाएंगे।

कड़ी पाबंदियों के बाद भी स्पेस में सैटेलाइट भेज रहा है ईरान, रूस बन रहा मददगार

मास्को (एजेंसी)।

परमाणु समझौता रद्द होने के बाद कड़ी पाबंदियों के बीच ईरान का मददगार बनकर रूस सहयोग कर रहा है। रूस की स्पेस एजेंसी रोसकॉस्मोस अगले हफ्ते ईरान की एक सैटेलाइट लांच करने जा रही है। रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यान, 'खय्याम' नामक एक रिमोट सेंसिंग उपग्रह 9 अगस्त को पड़ोसी देश कजाकिस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से सोयुज-2.1 बी रॉकेट द्वारा कक्षा में भेजा जाएगा। रूस ने दक्षिणी कजाकिस्तान में एक स्पेसपोर्ट को लीज पर लिया है। खबर के अनुसार ईरान के इस अर्थ ऑब्जर्वेशन उपग्रह का नाम प्रसिद्ध फ़ारसी पॉलीमैथ उमर खय्याम के नाम पर रखा गया है, जो गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन और कविता के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। यह सैटेलाइट कथित तौर पर ईरान की कृषि उत्पादकता में सुधार, जल संसाधनों की बेहतर निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं, निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं की निगरानी और देश की सीमाओं पर कड़ी नजर भी रखेगा।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने बीते कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। इस साल की शुरुआत में, ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की एयरोस्पेस फोर्स ने अपने पहले सैन्य उपग्रह के लॉन्च के लगभग दो साल बाद, अपने दूसरे उपग्रह नूर-2 को लोअर अर्थ ऑर्बिट (लियो) में लॉन्च किया था। ईरानी वैज्ञानिकों के अनुसार नूर-2 उपग्रह से ईरान में कई सैन्य और नागरिक मिशनों को अंजाम देने में सहायता हासिल होगी।

ताइवान पर बंटी दुनिया, चीन को मिला रूस का साथ तो जी-7 देश हुए खिलाफ; खूब बरसा कनाडा

ओटावा (एजेंसी)।

चीन और ताइवान के बीच छिड़ी तकरार में अमेरिका की इंट्री से ड्रैगन खासा खफा है। इस टकराव में दुनिया के कई और देश शामिल हो गए हैं। एक तरफ रूस ने बुधवार को बयान जारी कर अमेरिका पर आरोप लगाया था कि उसने नैन्सी पेलोसी को ताइवान भेजकर विवाद को हवा दी है और उकसाने वाला काम किया है। वहीं दूसरी तरफ कनाडा भी इस मसले में कूद पड़ा है और उसने चीन को इस तनाव के लिए जिम्मेदार ठहराया है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि चीन जो कर रहा है, उसे लेकर हम बेहद चिंतित हैं। उसकी ओर से सेना की बड़े पैमाने पर तैनाती करना गैर-जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चीन की हरकतों को भी किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकता।

जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने यही बात कही। जोली और जर्मन विदेश मंत्री ने चीन से तनाव को कम करने की अपील की। बता दें कि नैन्सी पेलोसी ताइवान के एक दिवसीय दौरे पर पहुंची थीं और उसे लेकर चीन लाल हो गया है। 25 साल के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब अमेरिका कोई नेता ताइवान पहुंचा है। द्वीपीय देश ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता रहा है और कई बार सेना के जोर पर उस पर कब्जा जमाने की भी धमकियां दे चुका है। इस बीच जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की ओर से भी इस मामले में बयान जारी किया गया है।

ग्रुप-7 देशों का कहना है, 'ताइवान की खाड़ी में जिस तरह से आक्रामक सैन्य गतिविधि चल रही है, उसे सही नहीं कहा जा सकता। हमारे सांसदों का दुनिया के किसी भी इलाके में दौरा करना सामान्य है और रूटीन प्रक्रिया है। लेकिन चीन के रवैये ने तनाव पैदा कर दिया है और क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की गई है।' जी-7 देशों की ओर से जो बयान जारी किया गया है, उसमें अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के अलावा कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान और यूके के विदेश मंत्रियों ने साइन किए हैं। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधि की ओर से भी इस पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस तरह से अमेरिका को ताइवान के मसले पर जी-7 देशों का समर्थन मिला है। वहीं पाकिस्तान और रूस ने चीन का समर्थन किया है।

अलकायदा सरगना पर सीक्रेट ऑपरेशन को लेकर बड़ा दावा, यूएस स्ट्राइक में हक्कानी परिवार के सदस्य भी मारे गए

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

अल-कायदा नेता अयमान अल-जवाहिरी 2 अगस्त को अफगानिस्तान में अमेरिका द्वारा ड्रोन हमले में मारा गया था। लेकिन अब इसको लेकर अफगान राजदूत की तरफ से बहुत बड़ा दावा किया गया है। ताजिकिस्तान में अफगान दूत राजदूत मोहम्मद ज़हीर अघबर ने कहा कि हक्कानी के परिवार के सदस्य भी अमेरिकी स्ट्राइक में मारे गए। बता दें कि हक्कानी नेटवर्क जलालुद्दीन हक्कानी द्वारा स्थापित एक इस्लामी आतंकवादी संगठन है। राजदूत मोहम्मद जहीर अघबर ने इंडिया टुडे को बताया कि काबुल से मिली रिपोर्ट के मुताबिक हक्कानी समूह के कुछ परिवार के सदस्य अमेरिकी हमले में मारे गए। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वो घर हक्कानी का था।

काबुल में बहुमंजिला बंगला, जहां अल-कायदा नेता छिपा हुआ था, अफगानिस्तान के आंतरिक मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी के करीबी सहयोगी के पास था। अफगान दूत के अनुसार सिराजुद्दीन हक्कानी और अन्य शीर्ष नेता काबुल में सुरक्षित घरों को छोड़कर कहीं और चले गए हैं। अयमान अल-जवाहिरी की हत्या अफगानिस्तान के लोगों के लिए महत्वपूर्ण नहीं है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि तालिबान के संरक्षण में अफगानिस्तान में आतंकवाद बढ़ रहे हैं।

अल-कायदा नेताओं के ठिकाने का खुलासा करने में पाकिस्तान की संलिप्तता के बारे में बोलते हुए अफगान दूत ने कहा कि चूंकि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ बहुत विविध संबंध हैं, इसलिए वह अफगानिस्तान के भीतर बहुत सी चीजों तक आसानी से पहुंच सकता है। राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान अमेरिका का रणनीतिक साझेदार है। उन समूहों की सराहना करें जिन्होंने अमेरिका को जवाहिरी के ठिकाने की जानकारी दी। इसने तालिबान का पर्दाफाश किया है। इस सप्ताह के अंत में अफगानिस्तान में एक अमेरिकी ड्रोन हमले ने अयमान अल-जवाहरी को ढेर कर दिया गया। जवाहिरी वही शख्स था जिसने ओसामा बिन लादेन को अमेरिका पर 9/11 के हमलों की साजिश रचने में मदद की थी।

21 साल पहले आतंकी संगठन अलकायदा ने अमेरिका पर खौफनाक हमला किया था। जिससे कम से कम तीन हजार लोगों की मौत हो गई। जिसे देख पूरी दुनिया हैरान रह गई। 9/11 के हमलों के बाद के दो दशकों में, वाशिंगटन ने हमलों के अपराधियों की तलाश की और उन्हें दंडित किया। 9/11 के हमलों के पीछे एक और मास्टरमाइंड अयमान अल-जवाहिरी था। मेरिकी खुफिया विभाग की निगाहें भी जवाहिरी को ही ढूंढ रही थीं। खुफिया विभाग को पता चला कि वह अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के उपनगरीय इलाके में है। 31 जुलाई की सुबह एक ऑपरेशन शुरू किया। ड्रोन हमले में जवाहिरी मारा गया।

राज्यसभा में हंगामे के बीच कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली । कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक को गुरुवार को संसद की मंजूरी मिल गई। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच राज्यसभा ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा में यह विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। विधेयक पर चर्चा का जवाब देकर विधि एवं न्याय मंत्री किरेन रीजीजू ने हर राज्य में और हर जिले में परिवार अदालतों की स्थापना को समय की मांग बताया और कहा कि वर्तमान में इन अदालतों में 11 लाख से अधिक मामले लंबित हैं, जिनका समय पर निस्तारण जरूरी है। उन्होंने कहा कि कुटुंब न्यायालय प्रत्येक जिले में खुले इसके लिए वह राज्य सरकारों से बात करने वाले हैं। कुटुम्ब न्यायालय (संशोधन) विधेयक, 2022 पर हुई चर्चा का जवाब देकर विधि एवं न्याय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाएं तब ही सार्थक होंगी जब परिवार सुखी होगा और उस उन योजनाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह विधेयक लंबित मामलों के समाधान में मददगार होगा। रीजीजू ने कहा कि बहुत जल्दी वे कुटुम्ब अदालतों के विषय की समीक्षा करने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 30 जुलाई को जिला न्यायाधीशों का सम्मेलन बुलाया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के प्रधान न्यायाधीश शामिल हुए। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन में परिवार अदालतों से जुड़े विषय रखे गए। ''मैने कहा कि परिवार अदालतों को प्राथमिकता दी जाए। कानूनी प्रक्रिया लंबी चलने पर बच्चे परेशान होते है। रीजीजू ने कहा कि देश में 715 परिवार अदालतें हैं। इस साल मई महीने तक इसमें 11.43 लाख मामले लंबित थे। उन्होंने कहा कि परिवार अदालतों के मामलो को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि मामलों का निपटारा समय पर हो सके और सरकार अवसंरचना के लिए हरसंभव मदद कर रही है। रीजीजू ने कहा कि हर जिले में परिवार अदालत स्थापित की जानी चाहिए और लंबित मामलों का जल्द निपटारा होना चाहिए ताकि मानसिक तकलीफ से बचा जा सके। मंत्री के जवाब के बाद सदन ने ध्वनिमत से विधेयक को मंजूरी दे दी। लोकसभा पहले ही विधेयक को मंजूरी दे चुकी है। इसके पहले बीजू जनता दल के मुजीबुल्ला खान ने कहा, कानून में ऐसी कौन सी खामियां हैं कि तलाक की प्रक्रिया में लंबा समय लगता हे और इसका खामियाजा बच्चे भुगतते हैं। खान ने मांग की कि ऐसा कानून भी लाया जाना चाहिए जिससे तलाक की प्रक्रिया आसान हो सके। वहीं वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के सुभाषचंद्र बोस पिल्ली ने कहा कि लंबित मामलों का समय रहते निपटारा होना चाहिए चाहे वह मामले परिवार अदालतों में हों या अन्य अदालतों में। जनता दल (यूनाइटेड) के रामनाथ ठाकुर ने विधेयक का समर्थन कहा कि देश के करीब 700 परिवार अदालतों में 11 लाख से अधिक मामलों का लंबित होना चिंताजनक है और यह सवाल उठता है कि इस हालात में न्याय कैसे मिलेगा। उन्होंने अदालतों में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया। राष्ट्रीय जनता दल के ए डी सिंह ने कहा कि परिवार अदालतों की स्थापना समय की मांग है। तेलुगु देशम पार्टी के कनकमेदला रवींद्र कुमार ने कहा कि परिवार अदालतों और अधीनस्थ अदालतों के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए और वहां मामलों के निपटारे की समय सीमा तय होना चाहिए।

कांग्रेस नेता खड़गे पहुंचे ईडी अधिकारियों के पास, यंग इंडियन के ऑफिस में ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली ।

नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस की फजीहत खत्म नहीं हो रही है। इसी कड़ी में गुरुवार को कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता मल्लिकार्जुन खड़गे हेराल्ड हाउस में ही ईडी अधिकारियों के सामने खुद को पेश किया। इसके साथ ही कांग्रेस के स्वामित्व वाले अखबार नेशनल हेराल्ड की होल्डिंग कंपनी यंग इंडियन (वाईआई) के ऑफिस में ईडी ने गुरुवार को फिर से छापेमारी शुरू कर दी है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खड़गे दोपहर करीब 12.40 बजे हेराल्ड भवन पहुंचे और ईडी के अधिकारियों से मिले। कंपनी प्रमुख अधिकारी होने के नाते ईडी ने यंग इंडियन के ऑफिस पर छापेमारी के दौरान उनकी उपस्थिति की मांग की थी। बता दें कि यंग इंडियन के शेयरधारकों में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम भी शामिल है। कांग्रेस अध्यक्ष के पास कंपनी की 38 फीसदी हिस्सेदारी है। इसके पहले ईडी ने चार मंजिला हेराल्ड हाउस के एक हिस्से को सील कर दिया था। ईडी ने सील करने के पीछे सबूत को संरक्षित करने की बात कही थी। ईडी का कहना था कि हिस्से में ताला लगे होने की वजह से वह उसकी तलाशी नहीं ले पाया था, साथ में तलाशी के दौरान कोई अधितृक प्रतिनिधि भी उपलब्ध नहीं था। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि यंग इंडिया ऑफिस की तलाशी अब रोक दी जाएगी और जो भी संभावित सबूत उपलब्ध होगा, उन्हें इकट्ठा किया जाएगा। बता दें कि नेशनल हेराल्ड अखबार और वेब पोर्टल का कार्यालय हेराल्ड हाउस भवन की चौथी मंजिल पर स्थित है, जहां संपादकीय विभाग के और प्रशासनिक विभाग के कर्मचारी काम करते हैं। नेशनल हेराल्ड अखबार एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) द्वारा प्रकाशित होता हैं, इसकी होल्डिंग कंपनी यंग इंडियन है। अखबार का कार्यालय एजेएल के नाम से पंजीकृत है। ईडी ने नेशनल हेराल्ड-एजेएल-यंग इंडियन सौदे में चल रही मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत हेराल्ड हाउस सहित एक दर्जन स्थानों पर छापेमारी की थी। एजेंसी के अधिकारी कुछ दस्तावेज, डिजिटल डेटा इकट्ठा करने और कुछ कर्मचारियों से पूछताछ करने के बाद परिसर से निकल गए थे। ईडी के समझ पेश होने से पहले खड़गे ने राज्यसभा में सवाल पूछते हुए कहा कि क्या चल रहे संसद सत्र के बीच में मुझे तलब करना उचित है।

हर साल 1 लाख विशेषज्ञ डॉक्टर बनाने की तैयारी

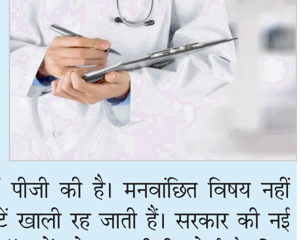

नई दिल्ली । नीति आयोग, स्वास्थ्य मंत्रालय और वित्त मंत्रालय ने मिलकर एक योजना बनाई है। इस योजना के लागू होने पर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में पीजी की सीटें बढ़ाकर 1 लाख प्रतिवर्ष करने का प्रस्ताव है। वर्तमान में देश मे 55000 सीटें पीजी की है। मनवांछित विषय नहीं मिलने के कारण इसमें काफी सीटें खाली रह जाती हैं। सरकार की नई योजना में एमबीबीएस कर चुके डॉक्टरों को अब पीजी कोर्स के लिए ज्यादा सीटें उपलब्ध होंगी। सरकार ने पीजी की सीटें बढ़ाने के लिए 100 सीटों से अधिक के मेडिकल कॉलेज, आर्मी पीएसयू के अस्पताल,ईएसआईसी के अस्पतालों को भी पीजी कोर्स के लिए शामिल किया जाएगा। प्रस्ताव में 2 साल का डिप्लोमा और 3 साल का डीएनबी कोर्स शामिल होगा। डिप्लोमा करने वाले डॉक्टर नान टीचिंग रहेंगे। नीति आयोग स्वास्थ्य मंत्रालय, नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन तथा वित्त मंत्रालय ने इस योजना का प्रस्ताव तैयार कर लिया है। जिसे जल्द ही लागू किया जाएगा। सरकार की मंशा है कि हर साल देश में कम से कम 1 लाख विशेषज्ञ डॉक्टरों को तैयार किया जा सके।

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का निर्णय पीएम और सरकार का : शाह

बेंगलुरु । संकल्प से सिद्धि सम्मेलन के तीसरे संस्करण में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का निर्णय प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने लिया है। इसके पीछे 3 उद्देश्य हैं । पहला, देश की नई पीढ़ी देशभक्ति से सरोबार होकर देश के विकास के साथ जुड़े और लाखों लोगों ने देश को आजादी दिलाने में अपना जो बलिदान दिया है, उनके इतिहास और बलिदान के साथ अपने आप को जोड़ सके। दूसरा, 75 साल तक हमारे देश ने कई क्षेत्र में कई उपलब्धियां प्राप्त की, उन सभी को जनता तक पहुंचाना है। तीसरा, हमे संकल्प करना है कि जब शताब्दी मनाई जाएगी तब भारत कहां खड़ा होगा और दुनिया का भारत कैसे नेतृत्व करेगा? और साथ ही इस संकल्प को सिद्ध करने के लिए भी योजना बनानी है।

हिमाचल रोडवेज की बस दुर्घटनाग्रस्त 13 यात्री घायल, 3 गंभीर

बिलासपुर ।

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में शासकीय रोजवेज बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। धर्मपुर से चंडीगढ़ जा रही बस की अचानक टिप्पर के साथ जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें 13 लोग घायल हुए हैं। इस घटना में बस यात्रियों में चीख पुकार मच गई। दो गंभीर रूप से घायल यात्रियों को हमीरपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार धर्मपुर डिपो की यह बस लदरौर से घुमारवीं आते समय नसवाल के समीप दूसरी तरफ से आ रहे टिप्पर के साथ जा टकराई, जिसमें बस में सवार छह महिलाओं सहित 13 यात्री घायल हुए हैं। वहीं घायलों में से बस चालक सहित तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं सड़क दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस के जरिये घायलों को नागरिक अस्पताल घुमारवीं में प्राथमिक उपचार के लिए भर्ती कराया। यहां से गम्भीर रूप से घायल बस चालक व एक यात्री को हमीरपुर अस्पताल रेफर किया गया। एक बस यात्री की हालत ज्यादा गंभीर हो गई। उस यात्री को आईजीएमसी शिमला रेफर किया गया है। इस बस हादसे में घायल यात्री मंडी व बिलासपुर जिला से संबंधित हैं। उधर दुर्घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम राजीव ठाकुर भी घुमारवीं अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना। एसडीएम राजीव ठाकुर ने बताया कि प्रशासन की तरफ से गम्भीर रूप से घायल लोगों को पांच पांच हजार रुपये व मामूली घायलों को दो दो हजार रुपये की फौरी राहत दी गई है। वहीं घुमारवीं पुलिस ने मौके पर जाकर सड़क दुर्घटना के सम्बंध में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

केरल- पलक्कड़ से 8000 जिलेटिन की छड़ें बरामद

पलक्कड़ । केरल के पलक्कड़ जिले के ओंगलूर में गुरुवार को भारी मात्रा में जिलेटिन विस्फोटक जब्त किया गया है। सूत्रों के अनुसार जब्त किये गए विस्फोटकों में 40 बक्सों में रखी गयीं 8000 जिलेटिन की छड़ें हैं। ये विस्फोटक पलक्कड़ जिले के शोरनूर के वडनाक्कुरिसी खदान के पास से बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने विस्फोटक बरामद किया। ये अनुमान लगाया जा रहा है कि जिलेटिन का इस्तेमाल खदानों में चट्टानों को तोड़ने के लिए किया जा रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर, इसकी जांच शुरू कर दी है। नवंबर 2000 में तमिलनाडु के एरोड से केरल के एर्नाकुलम जिले में मिनी वैन से भेजे जा रहे 7,500 डेटोनेटर और 7,000 जिलेटिन की छड़ें बरामद की गयी थीं। विस्फोटक को टमाटर में छुपा कर ले जाया जा रहा था, जिसे पुलिस ने पलक्कड़ में बरामद किया था। ऐसा ही एक और मामला 2020 में सामने आया था, जब कालड़ी एर्नाकुलम में खदान विस्फोटक फटने से दो प्रवासी श्रमिकों की जान चली गयी थी। ये धमाका सुबह में था, जब प्रवासी मजदूर इमारत के अंदर सो रहे थे। पुलिस ने खदान मालिकों, महाप्रबंधकों और अन्य सहयोगियों को बिना परमिट विस्फोटक प्रयोग और संग्रहित करने के जुर्म में गिरफ्तार किया था। आरोपियों पर गैर इरादतन हत्या का भी मामला दर्ज किया गया। गुरुवार को पकड़े गए जिलेटिन का एक वीडियो क्लिप वायरल हो रहा है, जिसमें साफ़ दिख रहा है कि जिलेटिन की छड़ें हल्के गुलाबी रंग की प्लास्टिक की चादर में लपेटी गई हैं।

अमृत महोत्सव के बारे में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए: संघ

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता एवं अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पूरे देश से मिलकर आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने का आह्वान कर कहा है कि इससे जुड़े सभी कार्यक्रमों और आयोजनों को संघ का पूरा समर्थन है। आंबेकर ने कहा कि, आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। सभी लोगों को इस पर राजनीति छोड़कर आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने पर ही पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर संघ के रुख को फिर से स्पष्ट करते हुए आंबेकर ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने पिछले महीने 9 जुलाई को प्रेस कांफ्रेंस में यह कहा था कि आजादी के अमृत महोत्सव के लिए भारत सरकार, राज्य सरकार, स्वयंसेवकों द्वारा चलाये जा रहे संगठनों के अलावा अन्य संगठनों के माध्यम से जो भी कार्यक्रम होंगे, जितने भी कार्यक्रम होंगे, उन सभी को संघ ने अपना समर्थन घोषित किया है। उन्होंने कहा कि संघ ने अपने सभी स्वयंसेवकों से आजादी के अमृत महोत्सव से जुड़े इसतरह के सभी कार्यक्रमों और अभियानों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान भी किया है। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के बहाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर राजनीतिक निशाना साधने की कोशिश करने वाले राजनीतिक दलों को सीधा जवाब देते हुए कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए और ऐसा करने वाले सभी लोगों को इस पर राजनीति छोड़कर इस महोत्सव को मनाने पर ही पूरा ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

फडणवीस के बाद अब कैबिनेट का विस्तार में भी चौंका सकती हैं भाजपा

मुंबई ।

महाराष्ट्र में सीएम के तौर पर एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को शपथ लिए 1 माह से ज्यादा समय हो चुका है। लेकिन अभी तक कैबिनेट का विस्तार नहीं हुआ है। कहा जा रहा था कि मंत्री पदों को लेकर भाजपा और एकनाथ शिंदे गुट के बीच सहमति नहीं बन पा रही है। अब खबर है कि 7 अगस्त तक कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक फिलहाल 15 से 16 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई जा सकती है। इसके बाद कुछ और मंत्री परिषद का हिस्सा हो सकते हैं। कहा यह भी जा रहा है कि जिस तरह से भाजपा ने फडणवीस को डिप्टी सीएम बनाकर चौंकाया था, उसी तरह इस बार मंत्रियों के नाम पर भी चौंका सकती है। भाजपा कोटे से 8 से 9 मंत्री बनने की संभावना है।इसमें 2 नाम चौंकाने वाले हैं, वे निर्दलीय विधायक रवि राणा और नारायण राणे के बेटे नीतेश राणे के हैं। रवि राणा अमरावती की सांसद नवनीत राणा के पति हैं और उद्धव ठाकरे के घर के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने के ऐलान पर विवादों में घिर गए थे। यही नहीं पत्नी नवनीत राणा के साथ उन्हें जेल तक जाना पड़ा था और करीब दो सप्ताह बाद बाहर आए थे। ऐसे में भाजपा की ओर से उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने से साफ है कि वह उद्धव ठाकरे को दर्द देने वाले नेताओं को प्रमुखता दे रही है। यही नहीं एक दौर में शिवसेना को बड़ी टूट के साथ छोड़ने वाले नारायण राणे के बेटे नीतेश राणे को भी मंत्री बनाने की चर्चाएं जोरों पर हैं।

इनदिनों 15 से 16 विधायकों के पद की शपथ लेने की संभावना है। इसतरह के संकेत हैं कि भाजपा के नौ और शिंदे समूह के सात लोग मंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। खास बात यह है कि राजभवन में इसकी तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, दादा भूसे, उदय सामंत जैसे नेताओं के नाम चर्चा में हैं। एक तरफ महाराष्ट्र में सत्ता संघर्ष सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है, तब दूसरी तरफ कैबिनेट विस्तार की तैयारियां भी जोरों पर हैं। फिलहाल जिन नामों की चर्चा चल रही है, उनमें चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, महाजन, विखे, दारेकर के नाम पहले से ही हैं। इन लोगों को देवेंद्र फडणवीस के भी करीबियों में ही गिना जाता है। लेकिन दो नाम रवि राणा और नीतेश राणे सरप्राइज माने जा रहे हैं। खास बात यह है कैबिनेट गठन को लेकर खास ख्याल रखा गया है कि जहां शिवसेना कमजोर है, वहां एकनाथ शिंदे गुट के लोगों को मंत्री पद दिया जाए। भाजपा का मानना है कि इससे उद्धव ठाकरे को कमजोर करने में मदद मिलेगी।

ईडी ने बेंगलुरु की कंपनी की 40 करोड़ की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु की कंपनी के खिलाफ कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में 40 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है केंद्रीय एजेंसी ने कहा कि धनशोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए) के तहत कावेरी टेलीकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के आवासीय अपार्टमेंट, प्लॉट, कृषि भूमि और बैंक जमा को कुर्क करने का एक शुरुआती आदेश जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 40.14 करोड़ रुपये है। यह धन शोधन का मामला जुलाई, 2015 में बेंगलुरु में सीबीआइ की भ्रष्टाचार रोधक शाखा द्वारा कंपनी और उसके प्रवर्तकों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी के बाद सामने आया है। ईडी ने कहा कि सीबीआई की प्राथमिकी देना बैंक के तत्कालीन उप-महाप्रबंधक (डीजीएम) द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर दर्ज की गई थी, जिसमें कंपनी और उसके निदेशकों द्वारा लिए गए ऋण के संबंध में बैंक के साथ धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। कंपनी और उसके निदेशकों ने उपकरण खरीदने के नाम पर तत्कालीन देना बैंक से 45 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। हालांकि, इसने कर्ज को अपनी सहयोगी और नियंत्रण वाली इकाइयों के जरिये इधर-उधर किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि कंपनी के निदेशकों ने ऋण प्राप्त करने के लिए बैंक के साथ नकली और मनगढ़ंत कर चालान और लॉरी रसीद आदि जमा की।। उन्होंने कहा कि समूह की विभिन्न इकाइयों के खातों के माध्यम कर्ज की राशि को इधर-उधर किया गया। यहां तक कि कर्ज की राशि को प्रवर्तकोंझनिदेशकों के बचत खातों में भी डाला गया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व कांग्रेस नेता कुलदीप बिश्नोई पत्नी सहित भाजपा में हुए शामिल

नई दिल्ली । हरियाणा से चार बार विधायक और दो बार सांसद रहे पूर्व कांग्रेस नेता कुलदीप बिश्नोई ने गुरुवार को भाजपा का दामन थाम लिया। बिश्नोई की पत्नी और पूर्व विधायक रेणुका बिश्नोई भी भाजपा में शामिल हुई। दिल्ली स्थिति भाजपा मुख्यालय में उन्होंने केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, पार्टी महासचिव अरुण सिंह, राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी और प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर सीएम खट्टर ने बिश्नोई दंपती का भाजपा में स्वागत कर कहा कि कुलदीप बिश्नोई से वह लगातार संपर्क बनाए हुए थे और उन्होंने राज्यसभा चुनाव में भाजपा का सहयोग किया। उन्होंने दावा किया कि बिश्नोई बिना किसी शर्त के भाजपा में शामिल हुए हैं। गौरतलब है कि बिश्नोई कांग्रेस पार्टी से पहले से ही नाराज चल रहे थे। इस साल की शुरुआत में उन्हें कांग्रेस की हरियाणा इकाई के प्रमुख के पद पर नियुक्त न किए जाने के बाद उन्होंने बगावती तेवर अपना लिए थे। इसके बाद जून में राज्यसभा चुनाव में %क्रॉस वोटिंग% करने के कारण कांग्रेस ने बिश्नोई को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया था। हरियाणा के हिसार जिले की आदमपुर सीट से विधायक बिश्नोई (53) ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत भजनलाल के छोटे बेटे कुलदीप बिश्नोई दूसरी बार कांग्रेस से नाता तोड़ रहे हैं। पार्टी से अलग होने के बाद करीब छह साल पहले ही वह दोबारा कांग्रेस से जुड़े थे।वर्ष 2005 में राज्य में कांग्रेस की जीत के बाद भूपेंद्र सिंह हुड्डा को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर बिश्नोई और उनके पिता भजनलाल ने 2007 में हरियाणा जनहित कांग्रेस (हजकां) बनाई थी। हजकां ने बाद में भाजपा और दो अन्य दलों के साथ गठबंधन कर लिया था और 2014 का लोकसभा चुनाव हरियाणा में साथ लड़ा था। हालांकि, विधानसभा चुनाव से पहले यह गठबंधन टूट गया था।

पूर्व मंत्री आजम खान की तबीयत बिगड़ी, डॉक्टरों ने 48 घंटे बहुत चिंताजनक बताए

लखनऊ । सपा नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की तबीयत गुरुवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें तत्काल लखनऊ के मेदांता में भर्ती कराया गया है। सांस लेने में तकलीफ को देखकर उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। बताया जाता है कि डॉक्टरों ने अगले 48 घंटे उनके लिए बेहद क्रिटिकल बताए हैं। आजम को पोस्ट कोविड सिम्टम हैं। उन्हें निमोनिया का असर बताया जा रहा है। निमोनिया फेफड़ों तक पहुंच गया है। इसी के कारण सांस लेने में दिक्कत हो रही है। आजम को सीतापुर जेल में रहने के दौरान कोरोना की दूसरी लहर में संक्रमण ने अपने शिकंजे में लिया था। कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद उनकी हालत ठीक हुई थी। कोरोना का असर भी तब फेफड़ों पर ही पड़ा था। इस बार उन्हें निमोनिया ने तेजी से जकड़ा है। डॉक्टरों के अनुसार अगले 48 घंटे बेहद चिंताजनक हैं। पांच डॉक्टरों की टीम आजम की देखरेख में लगी है।

सड़क दुर्घटनाओं में 2017-20 के दौरान 4.46 लाख लोगों की मौत हुईः सरकार

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने बताया कि देश में वर्ष 2017 से 2020 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में 4.46 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी। मंत्री की ओर से मुहैया कराए गए आंकड़े के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं में वर्ष 2017 में 1,47,913 लोगों की मौत हुई।इसतरह वर्ष 2018 में 1,51,417, वर्ष 2019 में 1,51,113 और 2020 में 1,31,714 लोगों की मौत हुई। गडकरी ने बताया कि उनके मंत्रालय ने सड़क सुरक्षा के मुद्दे पर बहुआयामी रणनीति तैयार की है जो शिक्षा, इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और आपातकालीन देखभाल पर आधारित है।

अहमदाबाद से चंडीगढ़ जा रही फ्लाइट से पक्षी टकरा, डायवर्ट की गई फ्लाइट

अहमदाबाद । अहमदाबाद से चंडीगढ़ जा रही फ्लाइट से पक्षी टकरा गया। इसके बाद फ्लाइट को डायवर्ट किया गया। डीसीजीए के मुताबिक, गो फास्ट की फ्लाइट ने 4 अगस्त को अहमदाबाद से चंडीगढ़ के लिए उड़ान भरी थी। इसमें पक्षी टकराने के बाद इसे अहमदाबाद डायवर्ट किया गया। इसके पहले जून में भी पटना से दिल्ली और दिल्ली से गुवाहाटी जा रहे विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई थी। इन दोनों विमानों में पक्षी के टकराने से तकनीकी समस्या आ गई थी। उड़ान के कुछ देर ही बाद ही विमानों को लैंड कराना पड़ा. एक विमान के इंजन में आग भी लग गई थी। पक्षी के टकराने की घटनाएं आमतौर पर तब सामने आती हैं, जब विमान कम ऊंचाई पर उड़ता है। लैंडिंग और टेकऑफ के समय ये घटनाएं ज्यादा सामने आतीं हैं। आमतौर पर पक्षी के टकराने की ज्यादातर घटनाएं खतरनाक नहीं होतीं हैं, लेकिन कई बार पक्षी के टकराने से स्थिति बिगड़ जाती है और विमान को तुरंत लैंड कराने की जरूरत पड़ जाती है। इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन एक सर्वे के मुताबिक, हर दिन विमान से पक्षियों के टकराने की औसतन 34 घटनाएं सामने आतीं हैं। इससे सालाना 1 अरब डॉलर (करीब 7,800 करोड़ रुपये) का नुकसान होता है। सर्वे में ये भी सामने आया था कि लगभग 92 फीसदी घटनाओं में कोई नुकसान नहीं होता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

मुख्यमंत्री ने सूरत से राज्यव्यापी 'हर घर तिरंगा' अभियान का शुभारंभ कराया

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 8 महानगर पालिका क्षेत्रों में 4 से 12 अगस्त के दौरान आयोजित होने वाली राज्यव्यापी 'तिरंगा पदयात्रा' का गुरुवार को सूरत महानगर से शुभारंभ कराते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि देश की एकता, अखंडता एवं 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के प्रतीक तिरंगे को देश के सभी घरों में फहराने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान को स्वीकार करते हुए राज्य सरकार राज्य के एक करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने को संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सूरत महानगर पालिका द्वारा राष्ट्र भावना के साथ मनाए जा रहे स्वतंत्रता के ७५ वर्ष के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान के अंतर्गत पिपलोद में आयोजित 'तिरंगा पदयात्रा' को प्रस्थान कराया और साथ ही इस पदयात्रा में नगरजनों के पैदल चल कर सहभागी भी हुए। लालभाई कॉण्ट्रैक्टर क्रिकेट स्टेडियम से कारगिल चौक तक दो किलोमीटर की इस तिरंगा यात्रा के रूट पर नगरजनों ने मुख्यमंत्री और महानुभावों का तिरंगा लहरा कर हर्षनाद के साथ अभिवादन किया।

मुख्यमंत्री ने भी तिरंगा लहरा कर नगरजनों का अभिवादन स्वीकार किया। इससे पहले मुख्यमंत्री सहित महानुभावों, पदाधिकारियों ने यहाँ लगाए गए विभिन्न तिरंगा वितरण बूथ पर जाकर डिजिटल पेमेंट कर तिरंगा ख़रीदा। इसके बाद शुरू हुई पदयात्रा के रूट पर राज्य के सांस्कृतिक समूहों, स्कूलों के विद्यार्थियों-युवाओं ने परम्परागत सांस्कृतिक परिधान में देश भक्तिकी रंगारंग कृतियाँ प्रस्तुत कीं और 'तिरंग पदयात्रा' में शामिल पदयात्रियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। यात्रा के दौरान मिनी भारत समान सूरत में बसे विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक समूह तथा उनकी नृत्य प्रस्तुतियाँ आकर्षण का केन्द्र बने। मुख्यमंत्री ने लालभाई कॉण्ट्रैक्टर स्टेडियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जब स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समग्र देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तब राज्य के हर नागरिक में राष्ट्र भावना जगाने में सूरत की यह तिरंगा पदयात्रा प्रेरणादायी बनेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अपेक्षा व्यक्त की कि प्रत्येक राज्य के सभी नागरिक घर पर तिरंगा फहराएँ और राष्ट्र भावना के इस यज्ञ में उत्साहपूर्वक जुड़ कर माँ भारती का गौरव बढ़ाएँ। उन्होंने सूरतवासियों के उत्साह की प्रशंसा करते हुए कहा कि खान-पान तथा स्पष्टवादिता के लिए विख्यात मौज़ीले सूरती राष्ट्र भक्ति में भी अग्रसर हैं। उन्होंने आकांक्षा व्यक्त की कि सूरती घर-घर तिरंगा फहरा कर राष्ट्र चेतना की इस पहल में योगदान दें। उन्होंने तिरंगा यात्रा के सुदृढ़ आयोजन के लिए सूरत महानगर पालिका के सूत्रधारों को अभिनंदन दिया। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने प्रासंगिक संबोधन में सूरतवासियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सूरतियों ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के कोने-कोने में राष्ट्रवाद का संदेश पहुँचाने का दायित्व उठाया है। सूरत के युवाओं-बच्चों का अपनी पॉकेट मनी से तिरंगा झंडा ख़रीद कर यात्रा में शामिल होना सराहनीय है। संघवी ने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष की पूर्णता के अवसर पर देशवासियों में पुन: एक बार एकता एवं राष्ट्र भावना की लहर जागी है। उन्होंने तिरंगा भेंट करने के स्थान पर स्व-बचत से राष्ट्र ध्वज ख़रीदने का बलपूर्वक आग्रह किया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व सांसद सी. आर. पाटिल ने सूरतवासियों के देश भक्ति के उत्साह का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हज़ारों युवाओं, क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रताप से आज देशवासी मुक्त रूप से राष्ट्र ध्वज फहरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के संकल्प को हम सभी साथ मिल कर पूर्ण करेंगे।

गुजरात के विकास को नई चेतना देगा वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे: मुख्यमंत्री

सूरत के करंज गाँव में वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुँचे भूपेंद्र

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे (डीएमई) के अंतर्गत सूरत ज़िले में मांडवी स्थित करंज गाँव से गुज़रने वाले वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे (वीएमई) के निर्माण कार्य स्थल का गुरुवार को मौक़े पर जाकर निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने मत व्यक्त किया कि यह एक्सप्रेस वे गुजरात के विकास को नई चेतना देगा। इस अवसर पर पटेल ने वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे (वीएमई) प्रोजेक्ट के विषय में पावर ऑफ़ प्रेज़ेंटेशन के माध्यम से विवरण प्राप्त किया तथा प्रोजेक्ट की वीडियो फ़िल्म भी देगी। भारत के सबसे लम्बे 1350 किलोमीटर और 98 हज़ार करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो रहे दिल्ली-मुबई एक्सप्रेस वे (डीएमई) का निर्माण कार्य रॉकेट गति से चल रहा है, जिसके अंतर्गत गुजरात से 423 किलोमीटर का (वीएमई) एक्सप्रेस वे गुज़रता है। अन्य राज्यों की तुलना में यह लम्बाई अधिकतम् है। गुजरात में इस डीएमई के अंतर्गत वीएमई दाहोद, पंचमहाल, वडोदरा, भरूच, सूरत एवं वलसाड ज़िलों से गुज़रता है। डीएमई के निर्माण से यात्रा का समय 24 घण्टे से घट कर 13 घण्टे रह जाएगा। डीएमई प्रोजेक्ट भारतमाला परियोजना के अंतर्गत

भारत सरकार का मुख्य प्रोजेक्ट है। इसका निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ़ इंडिया यानी (एनएचएआई) द्वारा किया जा रहा है। एक्सप्रेस वे के निर्माण से बड़ी संख्या में रोज़गार के अवसर पैदा होंगे। यह प्रोजेक्ट देश के आर्थिक विकास को नई ऊँचाई पर ले जाएगा। इस हाईवे (डीएमई) के निर्माण से वार्षिक अनुमानित 320 मिलियन लीटर से अधिकईंधन बचत होगी, जिससे आयात बिल तथा कार्बन फ़ुटप्रिंटस में कमी होगी। डीएमई के अंतर्गत तैयार हो रहे वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे (वीएमई) गुजरात के दाहोद, पंचमहाल, वडोदरा, भरूच, सूरत, नवसारी तथा वलसाड ज़िलों से गुज़रता है, जो वर्तमान राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48(एनएच -48) की तुलना में वडोदरा-मुंबई शहरों के बीच की दूरी को 132 किलोमीटर कम करेगा। डीएमई को 120 किलोमीटर/घण्टे की गति के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो यात्रा अवधि को लगभग 50 प्रतिशत कम करने में सहायता करेगा। एक्सप्रेस वे वर्तमान एनएच - 48 पर भीड़ कम करेगा। इससे दुर्घटनाओं तथा दुर्घटना मृत्यु में कमी आएगी। डीएमई लॉजिस्टिक ख़र्च घटाने के साथ भारतीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय एवं स्थानीय बाज़ारों में प्रतिस्पर्धात्मक बना कर मेक-इन-इंडिया का सपना साकार करेगा। उल्लेखनीय है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे (डीएमई) दो भागों में बँटा हुआ है।

(1) दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेस वे (डीवीई)

(2) वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे (वीएमई)वीएमई प्रोजेक्ट के कार्य को शीघ्रतापूर्वक पूर्ण करने के लिए 13 पैकेजों में विभाजित किया गया है, जिनमें से 9 पैकेजों में सिविल कार्य पुरज़ोर गति से चल रहा है और 2 पैकेजों में कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान ढाँचागत सुविधाओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संख्या में फ़्लाईओवर, आरओबीएस, मुख्य पुल, छोटे पुल, अंडरपास तथा कनेक्टिंग रोड के प्रस्ताव किए गए हैं। वीएमई प्रोजेक्ट में हर ७५-१०० किलोमीटर के अंतर पर सुविधाओं तथा पार्किंग क्षेत्रों की व्यवस्था की गई है,

इन तीनों पर अधिकतम खुदरा मूल्य नहीं लिखा होता,
लेकिन
जब हम इन्हें खो देते है,
तब इनके मूल्य का अहसास होता है।

सपने वो नहीं जो हम नींद में देखते है, सपने वह है जो हमको नींद नहीं आने देते।

साढ़े तीन करोड़ का गांजा सप्लाई करनेवाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत उडीसा से बड़े पैमाने पर सूरत समेत दक्षिण गुजरात में गांजा सप्लाय करने वाले दिलीप गोड को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दिलीप गोड लंबे समय से फरार था, जिसकी तलाश में पुलिस ने दिन-रात एक कर दिए। आखिरकार पुलिस को बड़ी सफलता मिली और सूरत क्राइम ब्रांच ने उडीसा से दिलीप गोड को दबोच लिया। दरअसल उडीसा के गंजाम जिले से बड़े पैमाने पर सूरत में गांजा भेजा गया था। यह गांजा उडीसा से दिलीप गोड ने भेजा होने की जानकारी पुलिस को मिली थी। वर्ष 2021 में पूना पुलिस थाने में एक करोड़ रुपए कीमत का 1009 किलो गांजा पकड़ा गया था और उसमें भी दिलीप गोड के नाम का खुलासा हुआ था। इंजीनियरींगकी पढ़ाई कर रहा 27 वर्षीय दिलीप गोड बड़े पैमाने पर गांजा की तस्करी कर रहा था। लेकिन काफी समय से भागता फिर रहा था। दिलीप गोड को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने कई बार प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस बीच सूरत पुलिस को खबर मिली कि दिलीप गोड उडीसा स्थित अपने घर आने वाला है। सूचना के आधार पर सूरत क्राइम ब्रांच की एक टीम उडीसा पहुंच गई और उसे गिरफ्तार कर लिया। दिलीप गोड गांजा तस्करी में अपना नाम ना आए इसके लिए अन्य तीन-चार लोगों के जरिए सूरत समेत दक्षिण गुजरात में गांजा भेजता था। अब तक करीब साढ़े तीन करोड़ से अधिक का गांजा पुलिस बरामद कर चुकी है।

राज्य के 53 जलाशय हाईअलर्ट पर, 207 जल परियोजनाओं में 68.03 प्रतिशत जलसंग्रह

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,गुजरात में हो रही अच्छी बारिश के चलते नदी-नाले छलक गए है। राज्य के महत्वपूर्ण 207 जल परियोजनाओं में 68.03 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। 90 से 100 प्रतिशत पानी जमा होने से राज्य के 53 जलाशय हाईअलर्ट पर हैं। जबकि 27 जलाशय अलर्ट पर हैं। राज्य के जलसंपत्ति विभाग के फ्लड सेल से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य की जीवनदायिनी स्वरूप सरदार सरोवर योजना में 266024 प्रतिशत यानी संग्रह क्षमता के 79.63 प्रतिशत जलराशि का संग्रह हुआ है। राज्य के 206 जलाशयों में 340958 एमसीएफटी यानी कुल संग्रह क्षमता के 61.08 प्रतिशत जितनी जलराशि का संग्रह हुआ है। राज्य के 33 जलाशयों में 100 प्रतिशत से अधिक जलसंग्रह हुआ है। जबकि 48 जलाशयों में 70 प्रतिशत से 100 प्रतिशत, सरदार सरोवर समेत 35 जलाशयों में 50 से 70 प्रतिशत, 38 जलाशयों में 25 से 50 प्रतिशत के बीच और 52 जलाशयों में 25 प्रतिशत कम जलराशि का संग्रह हुआ है। इन जलाशयों में उत्तर गुजरात के 15, मध्य गुजरात के 17 जलाशय, दक्षिण गुजरात के 13 जलाशय, कच्छ के 20 जलाशय और सौराष्ट्र के 141 जलाशय शामिल हैं। राज्य के 33 जलाशयों में 100 प्रतिशत से अधिक और 20 जलाशयों में 90 प्रतिशत 100 प्रतिशत के बीच जलराशि होने से 53 जलाशय हाईअलर्ट पर हैं। 10 जलाशयों में 80 प्रतिशत से 90 प्रतिशत और 17 जलाशय में 70 प्रतिशत से 80 प्रतिशत जलराशि होने से सामान्य चेतावनी जारी की गई है।